लखनऊ

बुधवार, 24 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 75

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सिर्फ सांसें चलते रहने को ही ज़िंदगी नहीं कहते.. आँखों में कुछ ख़्वाब और दिल में...उम्मीदें होना भी ज़रूरी हैं

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

असम में ईडी की बड़ी कार्रवाई, जब्त की 94 करोड़ रुपये की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असम में ऑल इंडिया सर्विसेज ऑफिसर्स को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी से जुड़े ज़मीन घोटाले के मामले में 94। 22 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं और आरोप पत्र भी दाखिल किया है। गुवाहाटी ज़ोनल ऑफिस ने 18 सितंबर 2025 को राजेंद्र नाथ की आठ संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच कीं। यह केस उस सोसाइटी से जुड़ा है, जिसमें IAS, IPS और IFS अधिकारी सदस्य हैं। ईडी ने यह कार्रवाई एक FIR के आधार पर शुरू की थी, जो गुवाहाटी के बेसिस्था थाने में दर्ज हुई थी। FIR में सौतिक गोस्वामी और राजेंद्र नाथ समेत अन्य लोगों पर आपराधिक साज़िश, धोखाधड़ी और विश्वासघात का आरोप लगाया गया था। सोसाइटी ने 86 बीघा ज़मीन खरीदने के लिए सौतिक गोस्वामी को 3।60 करोड़ रुपये एडवांस दिए थे, लेकिन न तो ज़मीन मिली और न ही पैसे लौटाए गए। केवल 50 लाख रुपये वापस किए गए, बाकी 3।10 करोड़ रुपये हड़प लिए गए। यह पैसा ही प्रोसीड्स ऑफ क्राइम (गैरकानूनी कमाई) माना गया है। ईडी ने असम के कुकुरमारा, जोगीपारा, बर्हंती मणियारी, बंगारा, कवाईमारी और रामपुर गांवों की ज़मीनें अटैच की हैं। मामले की आगे की जांच अभी चल रही है।

'कारें सस्ती, बाइक के लिए लाइन', बीजेपी बोली- कांग्रेस की मांग भी PM मोदी पूरी करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी रिफॉर्म के बाद कई सामानों की कीमतें कम हो गई हैं। कार से लेकर डेली यूज के आइटम के दामों में गिरावट आई है। इसी पर आज यानी मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि जिसका श्रेय लेना है ले। कांग्रेस हमसे ही मांग करती है और उनकी मांग भी पीएम मोदी पूरी करेंगे। संबित पात्रा ने कहा कि त्यौहार का माहौल GST की कटौती को लेकर भी है। कल बीजेपी-NDA के मंत्रियों ने दुकानदारों से बात की तो बहुत बड़ा फीडबैक आया है। कार की सेल मे बढ़ोतरी हुई है। मारुति ने 35 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। कंपनी ने कल 25 हजार कार कल डिलीवर किया। हुंडई ने पिछले 5 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि बाइक की दुकान पर भी भीड़ लगी है। दवाइयों पर 12% से 5% जीएसटी कम हुआ है, जिससे बीमारी से लड़ने वालों को राहत मिल रही है। कैंसर, ब्लड प्रेशर और सुगर जैसे दवाइयों के दाम कम हुए हैं। पात्रा ने आगे कहा कि कपड़े और जूते के भी दाम में गिरावट आई है। विंडो एसी, वसिंग मशीन, एलईडी टीवी के भी दाम कम हुए हैं। सर्वे से पता चला है लोग खरीदारी पर भारी छूट पाकर बहुत खुश हैं। संबित पात्रा ने कहा कि ये क्रेडिट की लड़ाई नहीं है। जिसको श्रेय लेना है वो ले। जरूरी ये है कि जनता खुश है। नेता तभी खुश होता है जब जनता खुश होती है। कांग्रेस पार्टी मांग हमसे ही करती है। उनकी मांग मोदी जी ही पूरी करेंगे। बता दें कि जीएसटी की कम दरें लागू होने के पहले दिन सोमवार को एयर कंडीशनर और टेलीविजन सेट की बिक्री में जोरदार उछाल आया। खुदरा विक्रेताओं ने आकर्षक छूट की पेशकश की, जिसके चलते खरीदारों में जोश था।

'अदालतें वसूली के लिए रिकवरी एजेंट नहीं', सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह मामले पर में की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों को रिकवरी एजेंट की तरह काम करने से सख्त मना किया है। कोर्ट का कहना है कि दीवानी मामलों को आपराधिक केस में बदलने की प्रक्रिया कम होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह ने मामले पर सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पैसे वसूलने के लिए किसी को गिरफ्तार करने का ट्रेंड आजकल आम हो गया है। पैसे की रिकवरी के लिए कई लोग आपराधिक मामले दर्ज करवा देते हैं, जबकि यह एक दीवानी मामला होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनवाई उत्तर प्रदेश में बढ़ते आपराधिक मामलों के

संदर्भ में की थी। एक मामले में पैसे की वसूली के लिए व्यक्ति के खिलाफ किडनैपिंग का मामला दर्ज कर दिया गया था।

यूपी सरकार ने बताई पुलिस की दुविधा

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने उत्तर प्रदेश सरकार का पक्ष रखा। उनका कहना है कि ऐसे मामलों में पुलिस बीच में फंस जाती है। अगर दीवानी मामलों में पुलिस केस दर्ज नहीं करती है, तो अदालत से फटकार सुनने को मिलती है और अगर केस दर्ज होता है, तो इसे पक्षपात और कानून के खिलाफ बताया जाता है। जस्टिस कांत ने कहा, पुलिस को केस दर्ज करते समय अपने दिमाग का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे आपराधिक कानून का उल्लंघन न हो और न्यायिक प्रणाली में मुश्किल न आए। कोर्ट के अनुसार, कोर्ट विवादित पक्षों के लिए कोई रिकवरी एजेंट नहीं हैं। यह न्यायिक प्रणाली में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कोर्ट ने दिया सुझाव

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को हर जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त करने का सुझाव दिया है। कोर्ट का कहना है कि जब भी पुलिस को दीवानी और आपराधिक मामलों को लेकर उलझन हो, तो केस दर्ज करने से पहले नोडल अधिकारी से परामर्श लिया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी- आधी क्षमता पर काम कर रहे हाईकोर्ट से तेज निपटारे की नहीं की जा सकती उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देश के हाईकोर्ट उसके प्रत्यक्ष नियंत्रण में नहीं आते, और जब वे अपनी आधी क्षमता के साथ काम कर रहे हों तो उनसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे हर मामले को तेजी से निपटाएं। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी उस समय की जब एक याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को 13 साल पुराने मामले का जल्द निपटारा करने का निर्देश देने की मांग की। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि उनका मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट में 13 साल से लंबित है। इस पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने स्पष्ट कहा, 'हाईकोर्ट इस अदालत (सुप्रीम कोर्ट) के अधीन नहीं है।' वकील ने बताया कि उनके मुवक्किल ने पहले ही दो बार हाईकोर्ट में आवेदन देकर मामले के जल्दी निपटारे की गुहार लगाई है। इस पर पीठ ने कहा, 'आवेदन करना जारी रखें। अगर हाईकोर्ट आधी क्षमता के साथ काम कर रहा है तो आप उनसे कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि वे हर मामले को तुरंत निपटाएं? उनसे पहले के कई पुराने मामले लंबित हैं। आप वहां जाकर निवेदन करें।' सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर कोई आदेश देने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी कि वह हाईकोर्ट में जाकर मामले की जल्द सुनवाई और निपटारे के लिए औपचारिक आवेदन करे। अदालत ने कहा कि ऐसे आवेदन पर हाईकोर्ट उचित तरीके से विचार करेगा। इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने अपने वकील जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह लंबे समय तक इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर चुके हैं।

'उपराष्ट्रपति बदल सकते हैं लेकिन पार्टी का अध्यक्ष नहीं चुन पा रहे', संजय राउत का भाजपा पर तंज

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने भाजपा पर तीखा हमला। उन्होंने सवाल उठाया कि आप देश के मुख्य न्यायाधीश से लेकर उपराष्ट्रपति और चुनाव आयुक्त तक को बदल सकते हैं, लेकिन अपनी ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं कर पा रहे हैं? राउत ने कहा कि इस पूरे मामले पर किसी को स्पष्ट जानकारी नहीं है और यही भाजपा की सबसे बड़ी कमजोरी है।

राउत ने कहा कि भाजपा नेतृत्व आज संगठनात्मक चुनाव कराने में असमर्थ दिख रहा है। उन्होंने व्यंग्य किया कि जब सरकार सर्वोच्च संस्थानों के पदाधिकारियों को बदलने में सक्षम है, तो अपने संगठन प्रमुख के चुनाव से क्यों पीछे हट रही है। राउत के इस बयान को भाजपा की

कार्यशैली और पारदर्शिता पर सीधा हमला माना जा रहा है।

मुंबई नगर निगम चुनाव की चर्चा

मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच बातचीत सकारात्मक चल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीटों के बंटवारे पर केवल तभी बयान दिया जाएगा जब सारी चर्चाएं पूरी होंगी। राउत ने संकेत दिया कि महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे परिवार का असर बरकरार है और इसका प्रभाव आगामी चुनाव में दिखेगा।

मराठी पहचान और ठाकरे ब्रांड

राउत ने मराठी अस्मिता को भी मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा कि 'मराठी जनता दिखाएगी कि ठाकरे ब्रांड का असली मतलब क्या है।' उनका इशारा इस ओर था कि मुंबई और महाराष्ट्र में स्थानीय पहचान की राजनीति एक बार फिर निर्णायक साबित हो सकती है। शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के बीच तालमेल की संभावना को लेकर भी उन्होंने उत्सुकता बढ़ाई।

मैंने दुश्मनों के साथ भी अच्छा सुलूक किया... जेल से बाहर आकर क्या-क्या बोले आजम खान?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आज जेल से 23 महीने बाद वापस आने पर सपा नेता आजम खान ने सबका शुक्रिया अदा किया। सीतापुर जेल से बाहर आने के बाद वो जब अपने समर्थकों के मिले तो सभी लोग भावुक दिखाई दिए। इसी बीच उनके बसपा में शामिल होने को लेकर सियासी चर्चे भी जोर पकड़े हुए हैं। इस पर आजम खान ने कहा कि वही लोग बताए जो अनुमान लगा रहे हैं। मेरी जेल में किसी से मुलाकात नहीं होती थी। मुझे किसी से मिलने की इजाजत नहीं थी।

सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद, सपा नेता आज़म खान ने कहा, "पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने है। " दो साल ये और 3 साल पहले मैं अलग था। बदला वहां आता है

जहां मैंने किसी के साथ बुरा किया हो। मैंने दुश्मनों के साथ भी अच्छा बर्ताव ही किया है।

अपर्णा यादव ने क्या कहा?

समाजवादी पार्टी के नेता आज़म खान की सीतापुर जेल से रिहाई पर बीजेपी नेता अपर्णा यादव ने कहा कि यह अदालती कार्यवाही के तहत हुआ। बीजेपी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। अगर वह फिर से जेल जाते हैं, तो यह अदालत का आदेश होगा। बीजेपी की इसमें कोई भूमिका नहीं है।

बीजेपी पर समाजवादी पार्टी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कोई भी फैसला देने की ज़िम्मेदारी अदालत की होती है, तो विपक्ष भाजपा पर आरोप क्यों लगा रहा है? इसका मतलब है कि आपको न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है। अदालत के ख़िलाफ़ आपत्तियाँ उठाने से भाजपा पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

अखिलेश का तंज- उम्मीद है भाजपा अब और झूठे मुकदमे नहीं चलाएगी

समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान के सीतापुर जेल से रिहा होने के कुछ मिनट बाद पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों को विश्वास है कि अदालत न्याय करेगी और पार्टी को उम्मीद है कि आने वाले समय में कोई भी झूठा मामला दर्ज नहीं किया जाएगा और भाजपा द्वारा कोई अन्याय नहीं किया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा नेता आजम खान जेल से रिहा हो गए हैं।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच तेज, दो वकील करेंगे समिति की मदद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच तेज हो गई है। नकदी मामले की जांच कर रही समिति की मदद के लिए दो वकीलों को नामित किया गया है। समिति की सहायता के लिए रोहन सिंह और समीक्षा दुआ को सलाहकार नियुक्त किया गया है।

पिछले महीने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए राजनीतिक दलों का नोटिस स्वीकार किया था। 14 मार्च को वर्मा के सरकारी आवास पर नोटों की जली हुई गड्डियां पाई गई थीं।

लोकसभा अध्यक्ष ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के

लिए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य की एक समिति गठित की थी। अब समिति की मदद के लिए दो वकीलों की नियुक्ति की गई है। दोनों नियुक्तियां समिति के कार्यकाल के साथ या अगले आदेश तक जारी रहेंगी।

दिल्ली में कुट्टू का आटा खाने से 150-200 लोग बीमार, नवरात्रि को देखते हुए चिकित्सक ने दी खास सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में नवरात्रि के पर्व में मां की आराधना की जा रही है। इसी बीच मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री से लोगों के स्वास्थ्य से भी खिलवाड़ किया जा रहा है। अब, ऐसा ही मामला दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके से मंगलवार सुबह सामने आया, जब बड़ी संख्या में लोगों ने कुट्टू का आटा खाने के बाद अचानक उल्टी और बेचैनी की शिकायत की। सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गए।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह जहांगीरपुरी और आसपास के इलाकों के 150-200 लोगों ने कुट्टू का आटा खाने के बाद उल्टी की शिकायत की। बीजेआरएम अस्पताल में सभी मरीजों की हालत स्थिर है। पुलिस ने आगे बताया कि पब्लिक अनाउंसमेंट के माध्यम से

स्थानीय दुकानदारों और निवासियों को सतर्क किया जा रहा है। इस मामले में आवश्यक कार्रवाई के लिए खाद्य विभाग को सूचित कर दिया गया है। बीजेआरएम अस्पताल के सीएमओ डॉ. विशेष यादव ने बताया कि करीब 150 से 200 लोग जहांगीरपुरी, महेंद्र पार्क, समयपुर, भलस्वा डेयरी, लाल बाग और स्वरूप नगर इलाकों से आपातकालीन वार्ड पहुंचे थे। सभी मरीजों की हालत स्थिर है। किसी को भी भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी। अभी तक कोई गंभीर मामला सामने नहीं आया।

इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने स्थानीय दुकानदारों, ठेले-खोमचे वालों और आम लोगों को बीट स्टाफ और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए जागरूक करना शुरू किया। साथ ही मामले को खाद्य विभाग तक पहुंचा दिया गया है ताकि आटे की गुणवत्ता और सप्लाई की जांच हो सके।

अमित मालवीय ने तेजस्वी को बताया बिहार से विमुख, बोले- एनडीए सरकार जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच बयानबाजियां भी गर्माती जा रही हैं। एनडीए और महागठबंधन के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा। इसी कड़ी में भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जुबानी हमला किया। अमित मालवीय ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट में तेजस्वी यादव पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने और सामाजिक ताने-बाने से विमुख होने का आरोप लगाया। मालवीय ने पोस्ट में लिखा, तेजस्वी यादव ने पहले नवरात्रि में मछली खाकर मां दुर्गा का अपमान किया, फिर कलम फेंककर मां सरस्वती का। जहां पितृ पक्ष में दुनिया भर से लोग गयाजी में अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान करने आते हैं, उन्हीं दिनों इस व्यक्ति ने अपनी पूरी चुनावी यात्रा निकाली। और फिर सीता माता की धरती पर, देवी पक्ष शुरू होने से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देवतुल्य माता जी को अपने मंच से अभद्र गालियां दिलवाईं।

उन्होंने आगे लिखा, ऐसा व्यक्ति, जो बिहार के सामाजिक ताने-बाने से इतना विमुख हो, वह बिहार को कभी स्वीकार नहीं होगा। उस पर लालू के जंगलराज का वह भयानक दौर, जिसका स्मरण आज भी दिल दहला देता है। बिहार पर तब जो जुल्म हुए, उन्हें कोई बिहारी आज तक नहीं भूला है। बिहारियों के सम्मान के लिए, बिहार में फिर से एनडीए सरकार जरूरी है।

वाराणसी में गूंजे माता के जयकारे, नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी के दर्शन को पहुंचे श्रद्धालु

आर्यावर्त क्रांति

वाराणसी। शारदीय नवरात्रि का मंगलवार को दूसरा दिन है। इस दिन मां दुर्गा के दूसरे रूप, मां ब्रह्मचारिणी, की पूजा-अर्चना की जाती है। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के दुर्गा घाट और ब्रह्माघाट स्थित प्राचीन मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी हुई है।

मंदिरों में विशेष पूजन और श्रद्धालुओं के जयकारे से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालु मां के दर्शन और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना कर रहे हैं।

मान्यता है कि इस मंदिर में मां ब्रह्मचारिणी के दर्शन से संतान सुख की प्राप्ति होती है और वे अपने भक्तों को धन-धान्य एवं समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। नवरात्रि के नौ

दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है, जिसमें प्रत्येक दिन का विशेष महत्व है। मां ब्रह्मचारिणी संयम, तपस्या और ब्रह्मचर्य की प्रतीक मानी जाती हैं।

श्रद्धालुओं ने कि मां ब्रह्मचारिणी नवरात्रि की दूसरी देवी हैं और इन्हें तपस्या व संयम का प्रतीक माना जाता है। इनके पूजन के महत्व को ऐसे समझा जा सकता है कि मां ब्रह्मचारिणी ने कठोर तपस्या करके भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने बताया कि उनकी पूजा से साधक के भीतर तप, धैर्य, त्याग और संयम की शक्ति आती है। मां ब्रह्मचारिणी भक्त को विद्या, विवेक और आध्यात्मिक शक्ति का आशीर्वाद देती हैं। मां ब्रह्मचारिणी की आराधना से घर में सुख-शांति और सौभाग्य का आगमन होता है। इसके साथ ही ग्रह-नक्षत्रों के अशुभ प्रभाव से मुक्ति भी मिलती है।

ब्रह्मचारिणी मंदिर के महंत राजेश्वर सागर ने कि इस मंदिर में माता की रात्रि में राजोप्रचार पूजा होती है। राजोप्रचार पूजा का मतलब है कि जिस तरह से राजा पूजा करते हैं, रोजाना रजत के पात्र से भगवती की पूजा की जाती है।

उन्होंने कहा कि इस मंदिर में पूरे साल भीड़ रहती है, लेकिन नवरात्रि के दूसरे दिन भीड़ ज्यादा हो जाती है। मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाते हैं। श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो और सभी आसानी से दर्शन कर लें, इसका विशेष ध्यान दिया जाता है।

हिंदू समाज को दुर्गा पूजा और गरबा में विधर्मियों से रहना होगा सावधान : विनोद बंसल

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने दुर्गा पूजा और गरबा जैसे पवित्र आयोजनों को लेकर हिंदू समाज से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जो लोग 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' तक नहीं बोल सकते, वे 'मां दुर्गा की जय' कैसे बोलेंगे?

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, जो 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' तक नहीं बोल सकते, वे 'मां दुर्गा की जय' कैसे बोलेंगे, और जो 'मां दुर्गा' की जय भी नहीं बोल सकते, वे भला 'दुर्गा पूजा' या 'गरबा' में किसलिए आएंगे, समझने की बात है। 'दुर्गा पूजा' या 'गरबा' के आयोजन कोई नाटक, शो, पर्यटन,

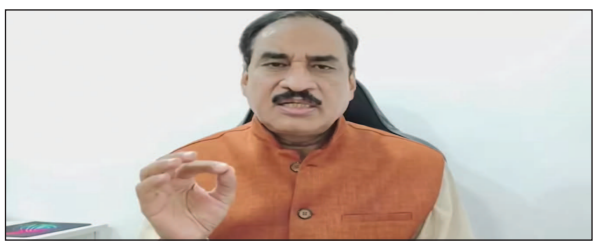

मनोरंजन या सिर्फ कला का सेक्युलर प्रेजेंटेशन तो हैं नहीं। विनोद बंसल ने आगे कहा, धर्म, आस्था व आराधना के इस महापर्व की पवित्रता, शुचिता और माता-बहनों के साथ आयोजनों की सुरक्षा के लिए हिंदू समाज को सजग रह कर ऐसे विधर्मियों के कुकर्मों से सावधान रहना होगा। साथ ही जिहादियों से किसी प्रकार का कोई व्यवहार (खासकर इन दिनों) न करें, तो ही अच्छा है। नवरात्रि का पर्व भारतीय संस्कृति और आस्था का सबसे प्रमुख त्योहार है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। नवरात्रि के इन नौ दिनों में गरबा का बड़े पैमाने पर आयोजन किया जाता है, जो हिंदू धर्म की आस्था, संस्कृति और उत्साह का प्रतीक है। दुर्गा पूजा, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और अन्य राज्यों में, मां दुर्गा की भक्ति और शक्ति की उपासना का महापर्व है। वहीं, गुजरात और अन्य राज्यों में 'गरबा' और 'डांडिया' नवरात्रि के दौरान उत्साह के केंद्र बिंदु हैं।

चार दोस्तों सहित 5 की जिंदा जलकर मौत, अलीगढ़-कानपुर हाईवे पर कैंटर से टकराकर कार में लगी आग

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़-कानपुर हाईवे पर गोपी ओवरब्रिज पर मंगलवार सुबह भीषण हादसा घटित हुआ। एक कार डिवाइडर पार कर सामने से आ रहे कैंटर से टकरा गई जिससे दोनों वाहनों में आग लग गई। कार में सवार चार लोग और कैंटर ड्राइवर की मृत्यु हो गई। कार सवार एक व्यक्ति को लोगों ने बचा लिया उसे अस्पताल भेजा गया है।

कार गलत दिशा से डिवाइडर पार करते हुए कैंटर से टकराई। अकराबाद क्षेत्र में यह हादसा सुबह लगभग 5:45 बजे हुआ। कार अलीगढ़ से कानपुर की ओर जा रही थी। हादसे के बाद मौके पर एसपी देहात अमृत जैन समेत आसपास के थानों का फोर्स पहुंचा।

चार दोस्तों की मृत्यु, एक जिंदगी मौत से जूझ रहा, कोहराम

अलीगढ़ में गोपी के पास कार और कैंटर की भिड़त में पांच लोग जिंदा जल गए। इनमें से चार सिकंदराराऊ के रहने वाले हैं। जबकि एक कैंटर का चालक है। एक दोस्त जिंदगी मौत से जूझ रहा है। चार युवकों की मौत से सिकंदराराऊ में मातम छा गया है। इनमें देव शर्मा निवासी मोहल्ला मटकोटा, मयंक ठाकुर निवासी पुरानी तहसील, हर्षित माहेश्वरी, अतुल यादव निवासी पंत चौराहा कासगंज रोड जिंदा जले हैं। सुमित कुमार निवासी सिकंदरपुर माचरा का मूल निवासी है। सिकंदराराऊ में कासगंज रोड पर रहकर होटल पर नौकरी करता है। वह गंभीर रूप से घायल है। कैंटर चालक राजेश पुत्र सुनहरी निवासी कुबेरपुर निधौलीकलां एटा का रहने वाला है। वह भी हादसे में जिंदा जल गया।

जिस दोस्त का बर्थडे था उसे मिला जीवनदान

सिकंदराराऊ के चार युवकों की हादसे में मौत से हर कोई दुखी है। उनके एक दोस्त फैज निवासी मटकोटा का जन्मदिन 22 सितंबर को जन्मदिन था। रात्रि में पंत चौराहे पर सभी ने केक काटा। रात करीब एक बजे फैज अपने घर चला गया। बाकी पांचों दोस्त देव शर्मा, मयंक ठाकुर, हर्षित माहेश्वरी, अतुल यादव और सुमित वहीं रुककर पार्टी करते रहे। सुबह के समय सभी लोग ड्राइव करने अलीगढ़ की ओर निकले।

चार दोस्त और एक कैंटर चालक जिंदा जले

रास्ते में गोपी के पास उनकी कार डिवाइडर से टकराई। कार उछलकर दूसरी तरफ पहुंच गई। सामने से आ रही कैंटर ने कार को रौंद दिया। इससे दोनों वाहनों में आग लग गई। चार दोस्त और एक कैंटर चालक जिंदा जल गए। एक युवक सुमित की हालत गंभीर है।

हादसे के मृतकों की पहचान

1-अतुल पुत्र देवेंद्र यादव निवासी भूतेश्वर कॉलोनी, थाना सिकंदराराऊ, हाथरस 19 वर्ष

2- देव पुत्र संजय शर्मा निवासी बजरिया मोहल्ला, थाना सिकंदराराऊ हाथरस 22 वर्ष

3-. हर्षित पुत्र अखिलेश माहेश्वरी निवासी कासगंज रोड, थाना सिकंदराराऊ हाथरस 19 वर्ष

4. मयंक उर्फ मोनू पुत्र कुशल पाल निवासी सिंदौली थाना हसायन, हाथरस हाल पता ब्रह्मपुरी तहसील रोड, सिकंदराराऊ हाथरस 22 वर्ष

केंटर चालक

5-राजेश पुत्र सुनहरी निवासी कुंवरपुर थाना निधौली कला जनपद एटा 35 वर्ष

एक की हालत गंभीर

6-सुमित कुमार निवासी कासगंज रोड, सिकंदरपुर माचरा, निधौली कलां, एटा का मूल निवासी है। सिकंदराराऊ, हाथरस में कासगंज रोड पर रहकर होटल पर नौकरी करता था।

आल्हाखण्ड माडौ गढ़ की लड़ाई का प्रसंग सुन झूम उठे श्रोता

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। तहसील क्षेत्र बल्दीराय थाना हलियापुर की ग्राम सभा तौधिकपुर पूरे खड़ौली में भगवान विश्वकर्मा के पूजनोत्सव पर ग्राम पंचायत भवन के नजदीक विशाल परिसर में मेला का आयोजन किया गया। मेले में आल्हाखण्ड का गायन भूली निवासी आल्हागायक राकेश शुक्ल व उनकी टीम द्वारा वीर रस से ओत प्रोत कई प्रसंगों का ओजपूर्ण गायन किया गया।माडौ गढ़ की लड़ाई, करिया ऊदल संग्राम के रोमांचक गायन प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व प्रातः काल भगवान विश्वकर्मा का पूजनोत्सव विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजक राम गोपाल विश्वकर्मा ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा पूजन दिवस पर आयोजित यह मेला का पांचवा वर्ष है।मेले में क्षेत्र के तमाम व्यवसायी अपनी दुकानें लगाकर मेले की शोभा बढ़ाते हैं। सुरक्षा व्यवस्था को देखने के लिए हालिया पुर थाने की फोर्स भी मौजूद रही। इस मौके पर राम भारत विश्वकर्मा, सालिक राम विश्वकर्मा, उमेश, सिया राम, गुरु बक्श प्रजापति, राम अचल विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा, रामू गुप्ता, रामू पासवान, विनय कुमार मिश्र सहित तमाम मेलार्थी व ग्रामीण मौजूद रहे।

पेटीएम मशीन लगाने के नाम पर ठगी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पेटीएम मशीन लगाने के नाम पर दुकानदारों को ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर लिया है। पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से आईफोन 14 बरामद किया है। आरोपियों की पहचान सचिन पुत्र विजयपाल व उत्कर्ष पुत्र स्व. बिन्देश्वरी प्रसाद, दोनों निवासी थाना कुड़वार के रूप में हुई है। सचिन खुद को पेटीएम का कर्मचारी बताकर दुकानदारों को झांसा देता और मशीन इंस्टॉल करने के बहाने उनका सिम अपने मोबाइल में डालकर खाते को लॉग-इन कर लेता। इसके बाद खाते से रकम उड़ाता रहता था। 28 अगस्त को कुड़वार की एक महिला से 5,380 रुपये की ठगी। धनपतगंज में अंडे की दुकान से 80 हजार रुपये पार। बल्दीराय में जाबिर अली की दुकान से तीन दिनों में करीब 7,500 रुपये की निकासी।सचिन और उत्कर्ष के खिलाफ साइबर क्राइम, धनपतगंज व बल्दीराय थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। एसपी कुँवर अनुपम सिंह व एएसपी अखंड प्रताप सिंह के निर्देशन में सीओ नगर प्रशांत सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी जांच व मुखबिरी के आधार पर दोनों को दबोच लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार सिंह सहित साइबर थाना व कुड़वार थाना पुलिस शामिल रही।

मालवीय नगर रामलीला में विश्वामित्र यज्ञ का हुआ मंचन

गोण्डा। श्रीरामलीला समिति मालवीय नगर के तत्वावधान में चल रही पौराणिक रामलीला में द्वितीय दिवस में विश्वामित्र यज्ञ एवं जनकपुर निवास का मंचन किया गया। श्री नटराज रामलीला मंडल बस्ती के तत्वावधान में लीला के कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय से भक्त दर्शकों को विमुग्ध कर दिया। लीला का शुभारम्भ वन में विश्वामित्र के यज्ञ से हुआ जहां से मुनि राक्षसों द्वारा यज्ञ में विघ्न के बाद राजा दशरथ की अनुमति से यज्ञ की। रक्षा के लिए राम लक्ष्मण को वन में लाए। दोनों भाइयों ने राक्षसों को मार कर यज्ञ सम्पन्न कराया। यज्ञ के बाद मुनि विश्वामित्र के साथ दोनों भाई वन में विभिन्न लीला करते हुए जनकपुर पहुंचे जहां राजा जनक द्वारा मुनि का स्वागत सत्कार व आवास की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर रामलीला के आयोजक प्रबंधक अनिल सिंह, धीरेन्द्र प्रताप पाण्डेय, अलंकार सिंह, रजत सोनी, गोपेश श्रीवास्तव, संजय तिवारी, संजय सिंह, पंकज मिश्र आदि मौजूद रहे।

यूपी के इस एयरपोर्ट पर 24/7 विमान सेवा, इन शहरों के लिए चौबीसों घंटे मिलेगी फ्लाइट, प्रस्ताव पर लगी मुहर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठक में सोमवार को कई बड़े फैसले लिए गए। इसमें गोरखपुर से 24 घंटे उड़ान शुरू करने। नए शहरों को हवाई सेवा से जोड़ने के साथ ही परिसर में गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा लगाने व एयरपोर्ट का नाम उनके नाम पर रखने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा गोरखपुर एयरपोर्ट को 24 घंटे संचालन योग्य बनाने का रहा। इसके लिए भारतीय वायुसेना से अनुमति लेने के साथ ही आवश्यक संसाधन जुटाया जाए। दिन-रात हर समय उड़ानें शुरू होने से यात्रियों को सुविधा मिलेगी और एयरपोर्ट नई उंचाइयों को छुएगा।

सांसद ने कहा कि गोरखपुर से जम्मू, पुणे, जयपुर, चंडीगढ़ और गोवा के लिए सीधी उड़ानें शुरू की

जानी चाहिए। यह न केवल यात्रियों के लिए सुविधाजनक होगा बल्कि पूर्वांचल का सीधा जुड़ाव देश के प्रमुख शहरों से स्थापित करेगा।

हवाई अड्डे की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए यंत्र आधारित अवतरण प्रणाली (आइएलएस) को श्रेणी-दो स्तर तक उन्नत करने पर चर्चा हुई। इससे मौसम खराब होने और कम दृश्यता में भी विमानों का संचालन संभव हो सकेगा। साथ ही एप्रन विस्तार कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर बल दिया गया। यात्रियों के लिए सुविधा विस्तार पर भी चर्चा हुई।

समिति के सदस्यों ने प्रस्ताव रखा गया कि हवाई अड्डा परिसर में गीता प्रेस की दुकान खोली जाए, मुख्य द्वार का सौंदर्यीकरण किया जाए, राजमार्ग पर यात्री शेड और पेयजल की व्यवस्था हो, बड़े प्रकाश पटल (एलइडी स्क्रीन) पर हवाई अड्डे का नाम प्रदर्शित किया जाए और समिति के सभी सदस्यों को वाहन प्रवेश पास दिए जाएं।

समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव रखा कि हवाई अड्डा परिसर में गुरु गोरक्षनाथ की प्रतिमा स्थापित की जाएगी और हवाई अड्डे का नाम बदलकर महायोगी गुरु गोरखनाथ हवाई अड्डा किया जाए।

इस दौरान समिति के सदस्य मनीष सिंह, आलोक अग्रवाल, शांतनु सर्राफ, अपर जिलाधिकारी नगर, एयरपोर्ट निदेशक आरके पाराशर, सहायक महाप्रबंधक संचार विजय कौशल,हवाई अड्डा सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार सिंह, अकासा, इंडिगो, स्पाइस जेट व अलायंस एयर के अधिकारी मौजूद रहे।

63 वर्ष पुरानी बल्दीराय की रामलीला का शुभारंभ 29 सितम्बर से

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील मुख्यालय की 63 वर्ष पुरानी रामलीला का शुभारंभ 29 सितंबर से किया जाएगा। इस प्राचीन रामलीला की स्थापना बल्दीराय कस्बे के समाजसेवी दंगल सिंह ने की थी। वर्ष 62 में तखते का मंच बनाकर बगैर साउंड सर्विस के रामलीला का मंचन किया जाता था लगभग 16 वर्षों 1978 तक पुरानी समिति द्वारा राम कथा का मंचन किया लेकिन बदलते परिवेश में कार्यकर्ताओं ने राम कथा को अचानक बंद कर दिया। 1978 में बल्दीराय कस्बे प्रतिष्ठित व्यक्ति बाबू सिद्धनाथ सिंह ने कस्बे के युवाओं को इकट्ठा करके श्री नवयुवक रामलीला समिति की स्थापना की जो अनवरत चल रही है।

कस्बे में वर्षों पुरानी इस रामलीला दर्शकों को दिखाने के लिए तख्त का मंच लगाकर लालटेन तथा पेट्रोमैक्स जलाकर राम कथा का मंचन करते थे उस समय आधुनिक वाद यंत्र न होने से रामलीला के कार्यकर्ता अपनी व्यवस्था के अनुसार राम कथा का मंचन करते थे। रामलीला के सक्रिय कार्यकर्ता कन्हैया लाल अग्रहरि शिवकुमार गुप्ता शिवकुमार कौशल तुलसीराम अग्रहरि संस्थापक सिद्धनाथ सिंह ने नवयुवक रामलीला समिति के कार्यकर्ताओं को लेकर कस्बे की रामलीला परिसर में एक मंच स्थापित करवाया। रामलीला का मंचन इसी मंच से किया जा रहा है नवयुवक रामलीला समिति के संस्थापक बाबू सिद्धनाथ सिंह समिति के महामंत्री तुलसीराम अग्रहरि की मृत्यु हो जाने के पश्चात अब रामलीला के मंचन की जिम्मेदारी युवाओं पर आ गई।

बल्दीराय कस्बे की इस प्राचीन रामलीला के मंचन की तैयारी नवयुवक रामलीला समिति के कार्यकर्ता एक माह पूर्व से ही करने लगते हैं रामलीला मंचन बड़ी ही साज सज्जा के साथ दर्शकों के बीच दिखाया जाए इसके लिए समिति के कार्यकर्ता एक स्थान पर राम कथा का रिहर्सल करते हैं इसके पश्चात रामलीला मंच से भव्यता के साथ दर्शकों के बीच राम कथा प्रस्तुत करते है। राम कथा मंचन की शुरुआत होते ही स्थानीय पुलिस का सहयोग रहता है नवयुवक

5 घंटे तक लोगों की सांसों पर संकट . . . बेस्ट क्रॉप कंपनी की जहरीली गैस रिसने से मचा हड़कंप, सरकारी अमला दौड़ा

आर्यावर्त संवाददाता

गजरौला/अमरोहा। मंडी धनौरा मार्ग पर स्थित बेस्ट क्रॉप कंपनी से हुए प्रदूषण गैस के हिसाब से शहर के लोगों को पांच घंटे तक मुसीबत का सामना करना पड़ा। आंखों में जलन के साथ सांसों पर भी संकट बना रहा। इतना ही नहीं मुहल्ला अल्लीपुर में कई लोगों की तबीयत बिगड़ी भी है। शहर का माहौल बिगड़ने की सूचना पर सरकारी अमला भी दौड़ पड़ा। उन्होंने गैस प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया।

बता दें कि सोमवार की रात करीब 8:30 बजे एग्रीकल्चर की दवा बनाने वाली बेस्ट क्रॉप कंपनी के वेयरहाउस में रखे केमिकल से गैस का रिसाव हुआ। जिससे पूरे शहर में प्रदूषित धुंध छा गई। दिल्ली लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग का ऐसा नजारा हुआ कि जैसे सर्दियों के सीजन में कोहरा छा गया हो। मोहल्ला अल्लीपुर के लोग सड़कों पर उतरे और उन्होंने हंगामा करते हुए औद्योगिक इकाइयों

पर जान से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया।

एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, ईओ सहित सरकारी अमला भी दौड़ा

यहां के रहने वाले समरपाल सैनी, बीना देवी, शारदा देवी, सरोज, सरोज देवी, कस्तूरी देवी, जमा देवी, रवि सेनी, विपिन कुमार आदि को सांस लेने में दिक्कत हुई और तबियत बिगड़ गई। मुहल्ला नाइपुरा के सभासद पति फुरकान अली व सभासद चरण सिंह भी कंपनी के गेट पर पहुंचे और हंगामा करना शुरू कर दिया। उधर, एडीएम गरिमा सिंह, एसडीएम विभा श्रीवास्तव, तहसीलदार मूसाराम थारू, एफएसओ कमलेश मिश्रा, ईओ ललित कुमार आर्या मौके पर आए।

एसडीएम ने बताया कि रात करीब एक बजे के लगभग स्थिति पर काबू पा लिया गया था। इस प्रकरण के बारे में प्रदूषण नियंत्रण विभाग को भी अवगत कराया गया है। आज टीम कंपनी में पहुंचेगी।

गर्लफ्रेंड के फंदे पर लटकने की सुनकर ट्रेन से कट गया प्रेमी, झगड़े के बाद कपल ने उठाया खौफनाक कदम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। सुभाष नगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी प्रेमी युगल ने सोमवार सुबह आत्महत्या का प्रयास किया। लड़के की जान चली गई जबकि लड़की गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। पुलिस के मुताबिक, एक गांव निवासी युवक का घर के पास ही रहने वाली युवती से प्रेम प्रसंग था। दोनों के परिवार वाले भी इस बात को जानते थे।

रविवार रात को विवाद के बाद युवती फंदे पर लटकी

रविवार रात दोनों में किसी बात पर विवाद हुआ तो युवती फंदे से लटक गई। यह बात जैसे ही युवक को पता चली तो वह ट्रेन से कटने चला गया। लाल फाटक से बरेली जंक्शन के बीच युवक ने अप लाइन पर ट्रेन से कटकर जान दे दी जबकि समय रहते युवती के परिवार वालों ने उसे फंदे से उतारकर अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी भी हालत गंभीर बताई जा रही है।

55 हजार युवाओं के लिए खुशखबरी, जनवरी में अग्निवीर भर्ती रैली, 12 जिलों के युवक जुटेंगे

आर्यावर्त क्रांति

आगरा। सेना भर्ती कार्यालय की ओर से अग्निवीर भर्ती रैली जनवरी 2026 में होगी। 20 दिनों तक चलने वाली रैली में उत्तीर्ण युवा ही भाग ले सकेंगे। भर्ती कार्यालय द्वारा एकलव्य स्टेडियम सहित अन्य को चिन्हित किया गया है, लेकिन मेट्रो कार्य के चलते अभी स्थल को फाइनल नहीं किया गया है। रैली में शामिल होने वाले 55 हजार युवाओं पर सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से नजर रखी जाएगी।

सेना भर्ती कार्यालय, आगरा की ओर से हर साल अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित की जाती है। साढ़े तीन माह पूर्व 12 जिलों के युवाओं के पंजीकरण कराए गए थे। एक लाख से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया। ऑनलाइन परीक्षा में 90 हजार के आसपास

युवा बैठे। उत्तीर्ण युवाओं को भर्ती रैली में शामिल होने वाले का मौका मिलेगा।

55 हजार से अधिक युवा होंगे शामिल, सीसीटीवी और ड्रोन से रखी जाएगी नजर

सेना के एक अधिकारी ने बताया कि 20 दिनों तक चलने वाली रैली जनवरी के पहले सप्ताह से चालू होगी। हर दिन तीन से चार हजार युवाओं को बुलाया जाएगा। प्रत्येक तहसील के दो से तीन युवा होंगे। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से नजर रखी जाएगी। अभी तक रैली एकलव्य स्टेडियम में हो रही थी।

नहीं होना चाहिए टैटू

अगर किसी युवा के शरीर के किसी भी अंग में टैटू मिलता है या फिर टैटू के दाग मिलते ही तो सेना में भर्ती कर उसका सपना टूट सकता है। टैटू बनवाने वाले युवाओं को सेना में प्रवेश नहीं मिलता है।

1600 मीटर दौड़ है अहम

सेवानिवृत्त मेजर जनरल प्रताप दयाल का कहना है कि अग्निवीर भर्ती रैली में 1600 मीटर दौड़ अहम होती है। यह दौड़ साढ़े पांच मिनट में पूरी करनी होती है। इस बार दौड़ दो ग्रुप में होगी। पूर्व में यह एक ही ग्रुप में होती थी। दौड़ से पूर्व दस्तावेजों की जांच की जाएगी।

इन जिलों के युवा लेंगे भाग

आगरा, मथुरा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, अलीगढ़, एटा, इटावा, हाथरस, जालौन, झांसी, कासगंज, ललितपुर।

गोमती नदी में कूदकर युवती ने दी जान, 24 घंटे बाद मिला शव

सुल्तानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र के ग्राम भवानीपुर में सोमवार सुबह एक हृदयविदारक घटना घट गई। गांव निवासी नीलम उर्फ माला (22 वर्ष) पुत्री राममूरत ने गोमती नदी में कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि युवती की मानसिक स्थिति काफी समय से अस्थिर थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सोमवार की सुबह माला अकेले ही नदी की ओर गई थी। ग्रामीणों को उसकी गतिविधियों पर कोई संदेह नहीं हुआ, लेकिन अचानक उसने गोमती में छलांग लगा दी। नदी के उस पार बैठे लोगों ने यह दृश्य देखा और शोर मचाकर अन्य ग्रामीणों को बुलाया। हालांकि तेज बहाव के चलते वह कुछ ही पलों में गहरे पानी में समा गई। सूचना पाकर ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की और बल्दीराय पुलिस भी गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची। दिनभर तलाश के बावजूद युवती का कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार सुबह करीब

पीएचडी की उपाधि पाकर क्षेत्र का बढ़ाया मान

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। मेहनत, लगन और शिक्षा के प्रति समर्पण से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। इसका उदाहरण पेश किया है कूरेभार विकास खंड के ग्राम पंचायत टिहरा कोहरा निवासी अभिषेक चंद्र ने। हाल ही में उन्हें पुष्प विज्ञान एवं भूदस्य निर्माण (फ्लोरिकल्चर एंड लैंडस्केपिंग आर्किटेक्चर) विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त हुई। यह उपाधि उन्हें सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित 18वें दीक्षांत समारोह (21 सितम्बर 2025) में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन, कृषि मंत्री तथा रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पंजाब सिंह द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान की गई। अब वे डॉ. अभिषेक चंद्र के नाम से जाने जाएंगे।

डॉ. अभिषेक चंद्र ने हाईस्कूल की पढ़ाई रामराती इंटरमीडिएट कॉलेज कटका द्वारिकागंज से और इंटरमीडिएट

(कृषि संकाय) की परीक्षा पं. जवाहरलाल नेहरू खजुराहट, उत्तर प्रदेश से उत्तीर्ण की। इसके बाद 2019 में श्री बिश्वनाथ पीजी कॉलेज, कलान (अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या) से बी.एससी. कृषि तथा 2021 में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ से एम.एससी. कृषि उद्यान विज्ञान की डिग्री हासिल की।

इसी वर्ष उन्होंने प्रदेश स्तरीय पीएचडी प्रवेश परीक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त कर मेरठ कृषि विश्वविद्यालय में दाखिला पाया और डॉ. सतेंद्र कुमार के निर्देशन में अपना शोधकार्य पूरा किया। शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ उन्होंने 2023 में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) भी उत्तीर्ण की, जिससे उन्हें असिस्टेंट प्रोफेसर बनने की पात्रता मिल गई। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने पिता रमेश चंद्र, माता मनभावती, छोटे-बड़े भाई-बहनों और मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार, शिक्षकों और मित्रों के सहयोग से ही यह संभव हो पाया।

विकसित यूपी@2047 अभियान से जुड़े 5 लाख प्रदेशवासी, ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी भागीदारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के "समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान" के तहत राज्य के सभी 75 जनपदों में नोडल अधिकारियों व प्रबुद्ध जनों द्वारा छात्रों, शिक्षकों, उद्यमियों, कृषकों, मीडिया, श्रमिक संघठनों और आमजन से संवाद किया जा रहा है। विगत 8 वर्षों की विकास यात्रा साझा करने के साथ ही पूरे प्रदेश के सभी नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के साथ भविष्य के रोडमैप पर चर्चा कर सुझाव लिए जा रहे हैं। मंगलवार तक अभियान में करीब पांच लाख सुझाव प्राप्त हो चुके हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों से करीब 4 लाख और नगरीय क्षेत्रों से करीब एक लाख सुझाव प्राप्त हुए हैं। सबसे अधिक भागीदारी 31 से 60 वर्ष आयु वर्ग की दिख रही है, जबकि जेन-ज़ी और वरिष्ठ नागरिकों ने भी सक्रियता दिखाई है।

सुझावों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, नगरीय एवं ग्रामीण विकास, आईटी-टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री जैसे क्षेत्रों पर जनता का ज्यादा जोर है। खासकर शिक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होने वाली नीतियों में पारदर्शिता को लेकर नागरिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं।

ये हैं कुछ प्रमुख सुझाव

गाजियाबाद के ऋतिक शर्मा ने उत्तर प्रदेश में भारत का सबसे बड़ा कम्प्यूटर संग्रहालय स्थापित करने का सुझाव दिया। इसमें एनालॉग यंत्रों से लेकर आधुनिक मेनफ्रेम तक की यात्रा प्रदर्शित हो। यह तकनीकी पर्यटन और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। बलिया के आशुतोष पटेल ने हर गांव-नगर तक हाई-स्पीड इंटरनेट व यूनिवर्सल डिजिटल-आईडी की व्यवस्था, स्कूलों में एआई/एआर/वीआर शिक्षा, हेल्थ-टेक, एग्री-टेक और स्मार्ट सिटी समाधान लागू करने का सुझाव दिया।

वाराणसी की आकांक्षा ने सार्वजनिक स्थानों की रोशनी और डिजाइन सुधारने, सीसीटीवी नेटवर्क, सुरक्षा ऐप व त्वरित पुलिस रिस्पॉन्स की व्यवस्था पर बल दिया। साथ ही महिलाओं के लिए कौशल, वित्तीय पहुंच और फास्ट ट्रैक न्यायालयों की सिफारिश की। लखनऊ की महिमा सिंह ने शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, समान वेतन, स्वास्थ्य व प्रजनन अधिकार, नेतृत्व में भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने बाल विवाह उन्मूलन, घरेलू कार्य की मान्यता और सहायता प्रणालियों की मजबूती को भी जरूरी बताया। अभियान में अब तक फिरोजाबाद, बस्ती, जौनपुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात, गोरखपुर, सहारनपुर, शामली, एटा, मेरठ, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, महाराजगंज और प्रयागराज से ही 2 लाख से अधिक फीडबैक प्राप्त हुए। सरकार का कहना है कि जनता की इन सुझावों को विकास रोडमैप में शामिल कर उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित राज्य बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री ने विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि की द्वितीय किश्त मंजूर की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि (MLA/MLC निधि) की द्वितीय किश्त के अनुमोदन की घोषणा की है। इसके तहत विधानसभा के 403 सदस्यों के लिए कुल 100750.00 लाख रुपये और विधान परिषद के 99 सदस्यों के लिए 24750.00 लाख रुपये जारी किए जाएंगे। इस प्रकार विधान मण्डल के कुल 502 सदस्यों को 125500.00 लाख रुपये (जीएसटी सहित) की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।उप मुख्यमंत्री ने संबंधित ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के मार्गदर्शक सिद्धांतों और समय-समय पर जारी शासनादेशों के अनुसार किया जाए। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि धनराशि डीआरडीए के डिपाजिट खाते में स्थानांतरित कर योजना के अनुसार ही व्यय की जाव्यय प्रबंधन और शासकीय खर्च में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए वित्त विभाग के आदेशों का पालन अनिवार्य होगा। साथ ही, राजकीय धन के व्यय में उत्तर प्रदेश बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गई शर्तों और वित्तीय औचित्य के मानकों का भी पालन किया जाएगा।विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के तहत किए जाने वाले कार्यों के सापेक्ष ही वास्तविक रूप से धनराशि का आहरण और व्यय किया जाएगा। प्रत्येक जनपद के मुख्य विकास अधिकारी को कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। आहरित धनराशि के संबंध में जानकारी और शासनादेश की प्रति एक सप्ताह के भीतर संबंधित विधायक और विधान परिषद सदस्यों को उपलब्ध कराई जाएगी।इस निर्णय से विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के माध्यम से जनहित और क्षेत्रीय विकास कार्यों की गति और प्रभावशीलता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

• संक्षेप •

बन्द मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली में रहने वाले एक व्यक्ति के बंद घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने घर में रखी नकदी, और लाखों रुपए कीमत के आभूषण चोरी कर लिया।पीड़ित घर लौट कर आया तो जानकारी हुई। पीड़ित ने सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। आकाश वर्मा, ग्राम मलूकपुर थाना सुशान्त गोल्फ सिटी लखनऊ में परिवार संग रहते हैं।इनका एक मकान आर0 के0 कालोनी, मोहनलालगंज लखनऊ में भी है।आकाश वर्मा का कहना था कि वह बीती 16 सितंबर से 20 सितंबर मोहनलाल गंज वाले घर चले गए थे।तब तक मलूकपुर वाला घर बन्द रहा, इस बीच घर पर अज्ञात चोरों द्वारा घरेलू समान, जेवरात व 9000/- नौ हजार रुपये नकद चोरी कर लिये है।इसकी जानकारी घर वापस आने पर हुई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान में ''संस्कृत भाषाया : प्रचाराय-प्रसाराय संस्थानस्य योगदानम'' विषयक व्याख्यान गोष्ठी आयोजित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ ने आज अपने परिसर में ''संस्कृत भाषाया : प्रचाराय-प्रसाराय संस्थानस्य योगदानम'' विषय पर एक व्याख्यान गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत करने से हुई। संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में सभी उपस्थित वक्ताओं का स्वागत किया और सरकार की विभिन्न योजनाओं का परिचय देते हुए संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने पर जोर दिया।मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित शीलवन्त सिंह, समन्वयक, सिविल सेवा नि:शुल्क एवं मार्गदर्शन योजना, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान ने बताया कि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नि:शुल्क सिविल सेवा योजना दिसम्बर 2019 में प्रारम्भ हुई थी, जिसका प्रभाव उत्तरोत्तर बढ़ता जा रहा है। इस योजना से अब तक कुल 69 विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं, जिनमें से 4 विद्यार्थी आईएएस परीक्षा में सफल होकर प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत हैं। इस योजना के माध्यम से संस्कृत विषय के साथ आईएएस और पीसीएस परीक्षा की तैयारी करना आसान हो गया है।

पराग घी और पराग मक्खन की कीमतों में जीएसटी रिफार्म के तहत राहत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी दरों में की गई कटौती के तहत प्रदेश में पराग घी और पराग मक्खन की कीमतों में कमी की गई है। इस कदम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करना है।मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि जीएसटी रिफार्म के बाद पराग मक्खन 100 ग्राम का पैक अब 58 रुपये की बजाय 54 रुपये में मिलेगा, जबकि 500 ग्राम का पैक 285 रुपये से घटाकर 265 रुपये किया गया है। इसी प्रकार पराग घी सीका पैक पहले 1 लीटर का 610 रुपये में उपलब्ध था, जो अब 585 रुपये में मिलेगा। आधा लीटर पीपी घी की कीमत भी 310 रुपये से घटाकर 292 रुपये कर दी गई है। मंत्री ने कहा कि इस सुधार से न केवल उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा बल्कि दुग्ध उत्पादकों को भी इसका सकारात्मक असर अनुभव होगा।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक प्रदेश को दुग्ध उत्पादन, प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्द्धन और प्रबंधन के क्षेत्र में देश का नेतृत्वकर्ता राज्य बनाया जाए। प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण, ग्रामीण रोजगार सृजन, पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में दुग्ध विकास विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।मंत्री ने स्पष्ट किया कि जीएसटी सुधार केवल कीमतों में राहत देने का माध्यम नहीं है।

डायरिया केस की रिपोर्टिंग पोर्टल पर सुनिश्चित हो : डॉ. बेलवाल

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की प्रगति व समीक्षा बैठक मंगलवार को नोडल अधिकारी आरसीएच डॉ. एस. के. बेलवाल की अध्यक्षता में हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में हुई बैठक में डॉ. बेलवाल ने कहा कि डायरिया के मामलों की रिपोर्टिंग सही तरीके से हेल्थ मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पर अपलोड करना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की पिछले तीन माह की प्रमुख गतिविधियों और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा हुई। इस मौके पर डॉ. बेलवाल ने जिले में 17 सितम्बर से दो अक्टूबर तक चलने वाले "स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार" अभियान के बारे में भी विस्तार से चर्चा की, साथ ही उसकी दैनिक रिपोर्ट के लिए सम्बंधित पोर्टलों के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) के दौरान आयोजित की गयी गतिविधियों को सराहा और आगे भी इसी तरह की गतिविधियों को आयोजित करने की योजना पर कार्य करने को कहा।

बैठक में पीएसआई इंडिया से मो. रिजवान ने "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम सम्बन्धी गतिविधियों और प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि पीएसआई इंडिया द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर डायरिया से संबंधित दीवार लेखन किया गया है। टीम ने ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर आशा एवं एएनएम की बैठक में प्रतिभाग कर डायरिया पर चर्चा की है। इसके अलावा छाया ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्रों का सहयोगात्मक निरीक्षण किया गया है। ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर ओआरएस व जिंक कार्नर बनवाने का कार्य किया गया है। आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम व आशा संगिनी का डायरिया पर अभिमुखीकरण पीएसआई इंडिया द्वारा किया जा रहा है। पम्पलेट आदि प्रचार सामग्री (आईईसी) का वितरण भी किया गया है और प्रचार वाहन का संचालन भी ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में किया जा चुका है। बैठक में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास सिंह व डॉ. प्रवीन श्रीवास्तव के साथ जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुबीर सिंह, जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक चंद्रशेखर, ब्लॉक से प्रभारी चिकित्सा अधिकारी बीपीएम और बीसीपीएम साथ ही सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में आधा दर्जन लोगों ने युवक को मारपीट कर किया लहूलुहान, हाथ तोड़ा

» **पीड़ित की तहरीर पर सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया**

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र में बाइक सवार युवक को आधा दर्जन लोगों ने रोक लिया, और लाठी डंडों से हमला कर लहूलुहान कर दिया,युवक का हाथ टूट गया,उसकी बाइक क्षतिग्रस्त कर दी, और जान से मारने की धमकीं देते हुए भाग निकले पीड़ित ने,उपचार के बाद सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली पुलिस को तहरीर दी पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

अवधेश यादव, एकता नगर कालोनी, महावीर सहाकारी समिति मे किरायेके मकान में रहते हैं। मूलरूप से बरामद पुर, थाना बिलरियागंज, आजमगढ़ के रहने वाले हैं कउन्होंने बताया कि सोमवार दोपहर बाइक से अपने घर जा रहा थे, तभी एकता नगर कॉलोनी मोड के पास शरद यादव निवासी एकता नगर ,अपने 5,-6, अज्ञात साथियो के साथ एक दिन पहले हुई घटना और विवाद को लेकर बिना किसी कारण के इनके साथ मारपीट की, जिससे सिर में चोटे आयी है व दाहिना हाथ फ्रैक्चर हो गया है। मारपीट के दैरान मोबाइल फोन ,बाइक की टंकी को तोड़ दिया। लोगों के जुटने पर गाली गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अब तो कुर्सी से कोई हटना हीनहीं चाहता!

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाज में चाहे धार्मिक स्थल संगठन हों या राजनीति—एक बार जो व्यक्ति कुर्सी पर बैठ जाता है, वह हटना ही नहीं चाहता।

कोई धार्मिक संस्था का अध्यक्ष, विधायक, सांसद, प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री—एक बार पद मिल गया तो वे दोबारा हटना नहीं चाहते जोगिंदर सिंह खालसा का कहना है कि समाज की संस्थाओं और राजनीति में लोग मेहनत करने वालों को अवसर नहीं देते। हर वर्ग के लोगों—चाहे 'छोटे हो, बड़े हो, गरीब हो, अमीर हो'—को अवसर मिलना चाहिए। जो व्यक्ति एक बार विधायक, सांसद, प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री बन चुका है, उसे दोबारा मौका नहीं मिलना चाहिए। ऐसा करने से समाज में और लोगों को मौका मिलेगा और सबको बराबरी का अवसर प्राप्त होगा। सत्ता और पद पर बैठे लोग अपने पद को छोड़ना नहीं चाहते, लेकिन समाज और लोकतंत्र के लिए ज़रूरी है कि सभी को बराबर अवसर मिले और एक व्यक्ति को बार-बार कुर्सी पर न बैठने दिया जाए

लखनऊ में ईशा फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ईशा फाउंडेशन के स्वयंसेवकों और साधकों ने मंगलवार को लखनऊ के गोमती तट और कुकरैल वन क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। यह अभियान आध्यात्मिक गुरु एवं ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु के ज्ञानोदय दिवस पर 'आनंद लहर' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया। अभियान में लगभग 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। दस्ताने, सफाई उपकरण और पर्यावरण-अनुकूल थैलियों से लैस होकर उन्होंने कचरा एकत्र किया और स्थानीय समुदाय को स्वच्छता, नदियों के महत्व और सतत सफाई की आदतों के बारे में जागरूक किया।

अनुभव साझा करते हुए एक स्वयंसेवक ने कहा- आनंद लहर केवल एक आंतरिक यात्रा ही नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाती है कि हमारे छोटे-छोटे कदम भी दुनिया के लिए बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। ऐसे प्रयास हमें अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं।

सफाई अभियान के अतिरिक्त,आम जनता को जागरूकता भी प्रदान की गयी और ऐसे सरल उपायों को बताया गया जिन्हें अपनाकर लोग अपने दैनिक जीवन में कचरा कम कर सकते हैं और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा कर सकते हैं। स्वयंसेवकों ने यह भी बताया कि ईशा प्लेस, साउथ सिटी, लखनऊ में नियमित रूप से योग सत्र आयोजित किए जाते हैं, जहाँ लोग जुड़कर ऐसे अभ्यासों का लाभ उठा सकते हैं जो व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण दोनों को पोषित करते हैं। सद्गुरु द्वारा स्थापित ईशा फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संगठन है जो योग और ध्यान के माध्यम से मानव कल्याण हेतु कार्य करता है। इसके साथ ही, यह रैली फॉर रिवर्स, कावेरी कॉलिंग और कॉन्शियस प्लेनेट – सेव सॉइल जैसे व्यापक सामाजिक और पर्यावरणीय अभियानों का संचालन भी करता है

फार्माकोविजिलेंस रिपोर्टिंग में अव्वल रहा रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग, विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने ग्रहण किया सम्मान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), उत्तर प्रदेश, लखनऊ का रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए सम्मानित हुआ है। राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह-2025 के अवसर पर विभाग को इस वर्ष प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं (एडवर्स ड्रग रिएक्शन) की सर्वाधिक संख्या की सूचना देने के लिए पुरस्कृत किया गया। फार्माकोलॉजी विभाग में आयोजित समारोह में इस उपलब्धि को रेखांकित किया गया और रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. सूर्यकान्त को सम्मानित किया गया। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग ने फार्माकोविजिलेंस, मरीज सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण उपचार, अनुसंधान और

सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है। यह उपलब्धि विभाग की टीम भावना, कठोर परिश्रम और चिकित्सा विज्ञान के प्रति समर्पण का प्रमाण है। यह पुरस्कार फार्माकोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राकेश कुमार दीक्षित ने डा. सूर्यकान्त तथा रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग की डा. ज्योति बाजपेई एवं डा. अंकित कुमार को प्रदान किया। कुलपति डॉ. (प्रो.) सोनिया नित्यानंद ने रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय की शिक्षा, शोध और रोगी सेवा की उत्कृष्ट परंपरा को दर्शाती है।

ज्ञात रहे कि केजीएमयू का रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग उ0प्र0 का सबसे पुराना एवं सबसे बड़ा सांस का विभाग है। इसकी स्थापना वर्ष 1946 में हुई थी और तब से अब तक यह अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित कर चुका है। पिछले एक दशक में विभागाध्यक्ष डा0 सूर्यकान्त के नेतृत्व में विभाग ने रोगों की पहचान, उपचार, अनुसंधान और रोगी-कल्याण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किए हैं, जिसके लिए इसे कई बार पुरस्कृत किया जा चुका है। हाल ही में विश्वविद्यालय को मिली बड़ी उपलब्धि नैक ए प्लस प्लस ग्रेड में रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है। इससे पूर्व में आयुष्मान योजना में उत्कृष्ट योगदान हेतु विभाग पहले भी सम्मानित हो चुका है। विभाग की एक और प्रमुख उपलब्धि प्रदेश का पहला पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन सेंटर है, जहाँ श्वसन रोगियों को विशेष फिजियोथेरेपी और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त टीबी के क्षेत्र में विभाग को अर्न्तराष्ट्रीय पहचान प्राप्त है। विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं भारत सरकार द्वारा विभाग को टीबी के क्षेत्र में सेन्टर आफ एक्सीलेंस चुना गया है। डॉ. सूर्यकान्त को विश्व के सर्वोच्च 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की श्रेणी में भी स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया, अमेरिका द्वारा स्थान प्राप्त है।

रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग केवल उपचार तक सीमित नहीं है, अनुसंधान प्रकाशनों, नवीन उपचार पद्धतियों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं, प्रशिक्षण, जन-जागरूकता और सामाजिक कल्याण में भी निरंतर सक्रिय है। वर्तमान में विभाग द्वारा 9 विशेषता क्लीनिक संचालित किए जा रहे हैं एलर्जी क्लीनिक, डॉट्स टीबी क्लीनिक, डॉट्स प्लस टीबी क्लीनिक, तंबाकू निषेध क्लीनिक, आईएलडी क्लीनिक, पल्मोनरी हाइपरटेंशन क्लीनिक, ब्रॉन्किएक्टेसिस क्लीनिक, पोस्ट कोविड क्लीनिक और लंग कैंसर क्लीनिक।

नवीन सुविधाओं के अंतर्गत साधारण एवं एडवांस पल्मोनरी फंगसन टेस्ट (पीएफटी) जैसे कि इम्पल्स ऑसिलोमेट्री, डीएलसीओ, बाडी बाक्स के साथ- साथ ब्रांकोस्कोपी, थोरेकोस्कोपी, इबस, एलर्जी लैब की भी सुविधाऐं विकसित की गयी है। मधुसूदन चिकित्सा ज्ञान वाटिका का पुनर्निर्माण, नवग्रह वाटिका की स्थापना और फैकल्टी ब्लॉक का लोकार्पण किया गया है। विभाग में दो नए फैकल्टी सदस्य जुड़े हैं और आठ नई एमडी सीटों की स्वीकृति से शैक्षणिक तथा अनुसंधान क्षमता और मजबूत हुई है। इसके अतिरिक्त विभाग ने आरोग्य वाटिका और रोटरी हर्बल पार्क की स्थापना भी की है।

सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में भी विभाग निरंतर सक्रिय है। डा. सूर्यकान्त द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भूमिका निभाते हुए एक गांव, एक स्लम एरिया एवं 100 से ज्यादा टीबी पीड़ति बच्चों को गोद लेकर रोगी-सेवा की नई मिसाल पेश की। कोविड-19 के दौरान विभाग ने मरीजों को दवाओं का वितरण, स्वास्थ्यकर्मियों के बच्चों को स्वेटर तथा रोगियों और परिजनों को कंबल, फल एवं नाश्ता प्रदान कर मानवीय पहल को मजबूत किया। विभाग रेडियो गूंज कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने और विश्वविद्यालय की खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करता है।

लखनऊ में 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर बाइक रैली का आयोजन, आयुष मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एम.ओ.एस.) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने आज 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जनता में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली 1090 चौराहे से शुरू होकर जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नं. 06 पर समाप्त हुई। इस रैली में लखनऊ के राजकीय आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, यूनानी और प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के लगभग 750 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।इस अवसर पर आयुष मंत्री ने जीवन में आयुर्वेद की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए सभी से आग्रह किया कि आयुर्वेद को अपने जीवन में अपनाएँ। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है।

कुकी और मैतेई के बीच समझौते पर सहमति

फरवरी, 2023 में मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच दंगों की शुरु आत हुई थी। अब जाकर यहां स्थायी शांति की दिशा में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से कुकी समुदायों के संगठनों के बीच समझौते पर सहमति बन पाई है। कुकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) ने एक साल के लिए सभी ऑपरेशन निलंबित करने का फैसला लिया है। इससे राज्य में शांति की उम्मीद जगी है। इससे पहले मणिपुर में खूनी संघर्ष के चलते संबंधित पक्ष अपनी शत्रे मनवाने पर अडिग थे। लेकिन अब कुकी-जो के दोनों प्रमुख संगठनों और केंद्र व राज्य सरकार के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं। बावजूद कहना मुश्किल है कि स्थायी शांति बनी रहेगी? कुकी गुटों ने मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने पर सहमति जताई है, जो मैतेई समुदाय की प्रमुख मांग थी। वरना इसके पहले कुकी संगठन अलग पहाड़ी राज्य की मांग कर रहे थे। यह चुनौती बड़ी थी, जिसे स्वीकारा जाना कठिन था।

उम्मीद है कि टकराव और हिंसक संघर्ष की स्थिति समाप्त होगी। हालांकि इस समझौते के सामानांतर मणिपुर में नगाओं की संस्था ने मुक्त आवागमन के साथ भारत-म्यामार सीमा पर बाड़बंदी का विरोध करते हुए कारोबारी प्रतिबंध की घोषणा कर दी है। इस वक्तव्य के बाद कुकी-जो परिषद ने कहा है कि समझौते को मैतेई बस्तियों और कुकी-जो के क्षेत्रों के बीच के बफरजोन में किसी तरह की आवाजाही के रूप में नहीं समझा जाए। अब लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना सरकार का काम है। 13 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मिजोरम पहुंच रहे हैं। उम्मीद है कि उसके एक दिन पहले मोदी मणिपुर जा सकते हैं। प्रधानमंत्री यकीनन दोनों समुदायों को साधने की कोशिश करेंगे। मणिपुर में हिंसा भड़कने के बाद उनका यह पहला दौरा होगा। विपक्ष प्रधानमंत्री के मणिपुर नहीं जाने पर तल्ख टिप्पणी करता रहा है। 13 फरवरी, 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। उसके बाद से गृह मंत्रालय के साथ केएनओ और यूपीएफ के प्रतिनिधियों से बातचीत चल रही थी। फलतः सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओएस) त्रिपक्षीय समझौता संभव हुआ। समझौता एक साल के लिए लागू रहेगा।

याद रहे कि कुकी गुटों के साथ 2008 में ही एसओएस पर समझौता हुआ था, जिसे हर साल बढ़ाया जाता था। लेकिन हिंसा के चलते 2024 में इसे बढ़ाया नहीं गया और अब नई शतरे के साथ एसओएस पर समझौता हुआ है। समझौते के तहत मैतेई समुदाय की प्रमुख आपत्तियों के सामाधान भी तलाशे गए हैं। इसके तहत कुकी गुटों को अपने शिविर ऐसे स्थलों से हटाने होंगे जो मैतेई समुदाय से सटे हुए हैं। दरअसल, मैतेई समुदाय आरोप लगाता रहा है कि कुकी अपने शिविरों से मैतेइयों पर हमले करते रहते हैं। इन गुटों को यह भी सत्यापित करना होगा कि उनके गुटों में कोई विदेशी नागरिक तो शामिल नहीं है। इन गुटों के पास जो भी मारक हथियार हैं, उन्हें बीएसएफ और सीआरआरपीएफ के नजदीकी शिविरों में जमा करना होगा। इन शतरे पर पालन के लिए संयुक्त निगरानी समिति बनाई जाएगी।

फरवरी, 2023 में राज्य सरकार ने पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों से अवैध प्रवासियों को बाहर करने की शुरुआत की थी। इन क्षेत्रों की नगा और कुकी समुदाय की 34 जातियां, जनजाति की श्रेणी में अधिसूचित हैं। अतएव इनके लिए चिन्हित भूभाग पर किसी गैर-जनजातीय समुदाय के लोग काबिज नहीं हो सकते हैं। विडंबना रही कि जिन लोगों को प्रवासी बता कर विस्थापन का सिलसिला शुरू हुआ तो उन्हें इस इलाके के मूल निवासी कुकी समुदाय ने अपना बताया। किंतु सरकार ने इस तथ्य पर ध्यान न देते हुए कुकियों की बेदखली का सिलसिला तो बनाए ही रखा, साथ ही मैतेई समुदाय को जब जनजाति का दर्जा मिल गया, तब उन्हें बलपूर्वक नगा और कुकी समुदाय के लोगों को आरक्षित भूखंडों पर भी काबिज होने से नहीं रोका। विवाद की असली जड़ यही विरोधाभास है। यह जातीय हिंसा इस हद तक भड़की कि अनेक निर्दोष महिलाओं पर बर्बर अत्याचार के साथ जघन्य रेप के मामले भी सामने आते रहे। करीब 250 लोग इस हिंसा में अपने प्राण गंवा चुके हैं। ज्यादातर मैतेई हिन्दू होने के साथ वैष्णव संप्रदाय से जुड़े हैं। इनमें से कुछ मतांतरित मुसलमान भी हैं जबकि नगा और कुकियों में से 90 फीसद धर्मांतरित ईसाई हैं। इस लिहाज से विवाद धार्मिक रंग में बदल कर हिंसक हो गया था। इसे धार्मिक रंग देने में ड्रग माफिया ने भी आग में घी डालने का काम किया। समूचे पूर्वोत्तर भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्यातित नशे का कारोबार खूब फल-फूल रहा है। यहां प्रत्येक माह हेरोइन बड़ी मात्रा में पकड़ी जाती है। यहां अफीम की खेती भी खूब होती है। बहरहाल, पूर्वोत्तर के एक बड़े भूभाग में विकास का वातावरण बना है।

राष्ट्र अब नक्सलवाद के अंतिम दौर की ओर

योगेश कुमार गोयल

मई माह में नारायणपुर-अबूझमाड़ क्षेत्र में लगभग पचास घंटे चले ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने डेढ़ करोड़ के इनामी और माओवादियों के महासचिव नंबाला केशव उर्फ बसवराजू को मार गिराया था।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में 11 सितम्बर को सुरक्षा बलों द्वारा किए गए ऑपरेशन में बड़े पैमाने पर सफलता हासिल हुई है, जिसमें सीसी सदस्य मनोज उर्फ बालकृष्ण सहित दस दुर्दांत नक्सली मारे गए।

यह मुठभेड़ शोभा और मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगलों में हुई जिसमें एक करोड़ के इनामी तेलंगाना के वारंगल निवासी 58 वर्षीय मोडेम बालकृष्ण के मारे जाने की पुष्टि स्वयं एसपी निखिल राखेचा ने की। नक्सलियों के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई के महत्त्व को समझने के लिए हालिया महीनों में छत्तीसगढ़ और देश भर में नक्सलियों के खिलाफ हुए अभियानों की समीक्षा जरूरी है।

मई माह में नारायणपुर-अबूझमाड़ क्षेत्र में लगभग पचास घंटे चले ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने डेढ़ करोड़ के इनामी और माओवादियों के महासचिव नंबाला केशव उर्फ बसवराजू को मार गिराया था। उसकी मौत के बाद नक्सलियों ने लगभग छह करोड़ के इनामी देवजी उर्फ संजीव उर्फ पल्लव को संगठन का नया महासचिव नियुक्त किया जबकि दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सचिव पद की जिम्मेदारी भीषण माओवादी कमांडर माडवी हिडमा को दी गई। देवजी, जो करीमनगर (तेलंगाना) के दलित परिवार में जन्मा, बीते साढ़े तीन दशकों से नक्सलवाद से जुड़ा है। उस पर देश के विभिन्न राज्यों में छह करोड़ रु पये से अधिक का इनाम घोषित है। इसी प्रकार माडवी हिडमा, बस्तर के बीजापुर जिले के पुवर्ती गांव का निवासी, नक्सलियों की रणनीति और बड़े हमलों के लिए कुख्यात है।

बीते डेढ़ वर्ष में छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने 453 नक्सलियों को मार गिराया है जबकि 1602 ने आत्मसमर्पण किया और 1591 को गिरफ्तार किया गया। औसतन रोजाना छह नक्सलियों को पकड़ा जा रहा है, और एक से ज्यादा को मुठभेड़ में मार गिराया जाता है। गृह मंत्रालय के अनुसार, 2024 में देश भर में सुरक्षा बलों ने 290 नक्सलियों को मार गिराया, 1090 को गिरफ्तार किया, और 881 ने आत्मसमर्पण किया। 2025 के पहले चार महीनों में ही 148 माओवादी ढेर हुए, 104 की गिरफ्तारी हुई और 164 ने आत्मसमर्पण किया। अकेले बस्तर क्षेत्र में अनेक बड़े ऑपरेशन हुए हैं, जिनमें 29 नक्सलियों को कांकेर जिले (16 अप्रैल 2024) में, 31 को बीजापुर जिले (9 फरवरी 2025) में मारा गया।

सुरक्षा अभियानों की आक्रामक रणनीति के चलते नक्सली संगठनों की रीढ़ टूट रही है, और उनका जनसमर्थन तेजी से कमजोर पड़ रहा है। आंकड़ों की गणना करें तो पिछले एक वर्ष में देश भर में सुरक्षा अभियानों के दौरान कुल 357 नक्सलियों की मृत्यु हुई जिनमें 136 महिला नक्सली, चार केंद्रीय कमेटी सदस्य और 15 राज्य कमेटी के वरिष्ठ सदस्य शामिल हैं। दंडकारण्य क्षेत्र में ही 281 नक्सली मारे गए। छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा जैसे राज्यों की जमीनी हकीकत यह है कि अब माओवादी सीमित क्षेत्रों में छिपे हैं जबकि पहले देश के 38 जिले पूरी तरह नक्सल प्रभावित थे, अब यह संख्या घट कर छह जिलों तक सीमित रह गई है।

केंद्र सरकार का उद्देश्य मार्च, 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से पूर्णतया मुक्त करना है। इसके लिए दोहरी नीति अपनाई जा रही है-सख्त सुरक्षा कार्रवाई और बहुआयामी विकास योजनाएं। छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए देश की सबसे बेहतर पुनर्वास नीति लागू की गई है, तीन साल तक प्रति माह दस हजार रुपये प्रोत्साहन राशि, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार, नकद इनाम, कृषि या शहरी भूमि का आवंटन। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट किया है कि अब बंदूक की जगह किताबों का स्थान है, और सड़कों की गूंज सुनाई दे रही है। 'नियद नेल्ला नार योजना के तहत बस्तर के दूरदराज गांवों में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, कार्ड, किसान क्रेडिट, प्रधानमंत्री आवास, मोबाइल टावर, वन अधिकार पट्टों जैसी सुविधाएं सुलभ कराई जा रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अबूझमाड़ के रेकावाया गांव में पहली बार स्कूल खुल रहा है, जहां कभी नक्सली स्वयं स्कूल चलाते थे। बंद पड़े करीब पचास स्कूल दोबारा चालू किए गए हैं, नये भवन तैयार हो रहे हैं, और शिक्षा-स्वास्थ्य की सुविधाएं सुदूर इलाकों में पहुंच रही हैं। इसी तरह, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम पंचायत स्तर तक योजनाएं पहुंचाई जा रही हैं, स्कूल, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य शिविर सक्रिय किए गए हैं।

नक्सलवाद का विश्लेषण किया जाए तो बीते छह दशकों में उसने भारत के लोकतंत्र को बार-बार चुनौती दी है। 2004-14 के बीच तेरह हजार से अधिक हिंसक घटनाएं, सैकड़ों सुरक्षाकर्मियों तथा नागरिकों की मृत्यु हुई लेकिन 2014 से 2024 के बीच इन घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है। हिंसक घटनाएं घटकर लगभग आधी रह गई हैं, सुरक्षाकर्मियों की मौतें 73 प्रतिशत और नागरिकों की मौतें 70 प्रतिशत कम हुई हैं। हालांकि नक्सलियों की विचारधारा लोकतंत्र, संविधान और न्यायपालिका को अस्वीकार करती है, वे हिंसा को जनता की आवाज बता कर खुद को वैध ठहराने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सुरक्षा बलों, सरकार और समाज तीनों की जिम्मेदारी और मुस्तैदी बढ़ जाती है। नक्सल समर्थक शहरी नेटवर्क, एनजीओ, वकीलों, शिक्षकों आदि पर भी सरकार कठोर कार्रवाई कर रही है। शहरी नेटवर्क को खत्म करने और वैचारिक आतंकी ढांचे को धराशायी करने के लिए पुलिस, सुरक्षा बल और सरकार द्वारा संयुक्त रूप से अभियान जारी हैं।

स्पष्ट है कि राष्ट्र अब नक्सलवाद के अंतिम दौर की ओर है। विकास और सुरक्षा की समन्वित नीति, लगातार अभियानों, पुनर्वास योजनाओं और जनता की सोच में बदलाव ने नक्सली नेतृत्व, कैडर और संरचना को लगातार कमजोर किया है। यदि यही गति बनी रही तो मार्च, 2026 तक भारत को पूरी तरह नक्सल मुक्त घोषित करना संभव हो जाएगा। इस खूनी विचारधारा से देश को मुक्ति दिलाना ही लोकतंत्र की सच्ची विजय है, वह लोकतंत्र, जिसने दशकों तक हिंसा, विद्रोह और आतंक से जूझते हुए आज विकास, शिक्षा और स्थायी शांति की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाया है।

अजब-गजब

चैटजीपीटी ने यूं पलट दी किस्मत! महिला एक झटके में बन गई करोड़पति, लेकिन...

मिलिए अमेरिका के वर्जीनिया की कैरी एडवर्ड्स से, जिन्होंने ChatGPT से मजाक-मजाक में लॉटरी के नंबर पूछे, और फिर जो हुआ उसके बारे में जानकर हर कोई दंग रह गया है। AI चैटबॉट ने कैरी की किस्मत खोल दी। उन्होंने हाल ही में वर्जीनिया लॉटरी पावरबॉल ड्रॉ में भाग लिया और चैटजीपीटी द्वारा चुने गए नंबरों ने उन्हें एक झटके में करोड़पति बना दिया।

साउथ फ्लोरिडा मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 8 सितंबर को कैरी ने एक लॉटरी खेला, जिसमें चुने गए नंबरों ने उन्हें 50,000 डॉलर (यानी 44 लाख से ज्यादा) का इनाम दिलाया। महिला ने 1 डॉलर खर्च करके पावर प्ले ऑप्शन भी लिया था, और किस्मत का खेल देखिए इनाम तीन गुना होकर 150,000 डॉलर (यानी 1।32 करोड़ रुपये से ज्यादा) हो गया। कैरी को लगा कि कोई उनके साथ प्रैंक कर रहा है, पर जब सच्चाई सामने आई तो यह उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सरप्राइज बन गया।

जहां लोग इतनी बड़ी रकम जीतने के बाद गाड़ी, बंगला और पार्टी एन्जॉय करने में पैसे उड़ाते हैं, कैरी ने एक ऐसा फैसला किया, जिसने सबकी सोच बदल दी। उन्होंने अपनी जीती हुई सारी राशि डोनेट करने का ऐलान किया। कैरी का कहना है कि यह उनके लिए एक ईश्वरीय वरदान है, और वह इन पैसों को समाज की भलाई में लगाएंगी।

कैरी इनाम के पैसों को तीन संस्थाओं को डोनेट करेंगी। पहली संस्था Association for Frontotemporal Degeneration (AFTD) है, जो उनके पति की बीमारी पर रिसर्च करती है। दूसरा Shalom Farms, जो जरूरतमंदों को खाना मुहैया कराती है। तीसरी संस्था Navy-Marine Corps Relief Society है, जो सेना के जवानों और उनके परिवारों की मदद करती है। महिला का कहना है कि जैसे ही उसे पता चला कि उसने लॉटरी में बड़ी रकम जीत ली है, तभी उसने तय कर लिया था कि वह इसे अपने पास नहीं रखेगी।

ब्लॉग

टेक्नोलॉजी के चैंपियन हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अश्विनी वैष्णव

याद है कि जब सरकारी दस्तावेज बनवाना बड़ा मुश्किल काम हुआ करता था। कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लंबी लाइनें लगती थीं, और कभी-कभी बेवजह की फीस देनी पड़ती थी। अब वही दस्तावेज़ सीधे आपके फ़ोन पर मिल जाते हैं। यह बदलाव यूं ही नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक को भारत का सबसे बड़ा समान अवसर देने वाला साधन बना दिया। मुंबई का एक रेहड़ी-पटरी वाला भी वही यूपीआई पेमेंट सिस्टम इस्तेमाल करता है, जो एक बड़ी कंपनी का अधिकारी करता है। उनकी सोच में तकनीक पद के अनुरूप किसी ऊंच-नीच को नहीं मानती। यह बदलाव उनकी मूल सोच अंत्योदय को दर्शाता है-यानी कतार में खड़े सबसे आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना। हर डिजिटल पहल का मकसद है कि तकनीक को सबके लिए समान रूप से उपलब्ध कराना। गुजरात में शुरू हुए ये प्रयोग ही भारत की डिजिटल क्रांति की नींव बने।

मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी जी ने तकनीक और नवाचार के ज़रिए गुजरात को बदला। 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना में फीडर सेपरेशन तकनीक का उपयोग किया गया। इससे ग्रामीण उद्योगों को 24&7 नियमित बिजली मिली और तय समय पर खेतों को बिजली मिलने से ज़मीन के नीचे के पानी का स्तर कम गति से घटने लगा। महिलाएं रात में पढ़ाई कर सकीं और छोटे व्यवसाय फले-फूले, जिससे गाँव से शहर की ओर पलायन घटा। एक अध्ययन के अनुसार, इस योजना पर किए गए 1,115 करोड़ रुपये के निवेश की भरपाई सिफ़र् ढाई साल में हो गई।

2012 में उन्होंने नर्मदा नहर पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया। इस परियोजना से हर साल 1.6 करोड़ यूनिट बिजली बनी, जो लगभग 16,000 घरों के लिए काफ़ी थी। साथ ही, नहर के पानी का वाष्पीकरण कम हुआ और पानी की उपलब्धता बढ़ी। एक ही पहल से कई समस्याओं का समाधान निकालना मोदी जी की तकनीक दृष्टि को दर्शाता है। स्वच्छ ऊर्जा बनाना और पानी बचाना, दोनों साथ-साथ। यह दक्षता और प्रभाव का उदाहरण था, जो साधारण समाधानों से कहीं अधिक था। इस नवाचार को अमेरिका और स्पेन द्वारा अपनाया जाना इसकी प्रभावशीलता को और मज़बूत करता है। ई-धरा प्रणाली से ज़मीन के कागज़ात डिजिटल हुए। स्वागत पहल से नागरिक वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा मुख्यमंत्री से सीधे जुड़ सके। ऑनलाइन टेंडरिंग से भ्रष्टाचार पर रोक लगी। इन पहलों से भ्रष्टाचार घटा और सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हुई। लोगों का शासन पर भरोसा लौटा, जिसका असर गुजरात में लगातार मिलती बड़ी चुनावी सफलताओं में दिखा।

2014 में उन्होंने गुजरात के अनुभव और सीख को दिल्ली में उतारा। लेकिन पैमाना कहीं बड़ा था। उनके नेतृत्व में इंडिया स्टैक बना, जो दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है। इसकी बुनियाद जैम ट्रिनिटी (जन धन, आधार, मोबाइल) पर रखी गई।जन धन खातों ने 53 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा। जो लोग अब तक आर्थिक रूप से बाहर थे, वे पहली बार औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने। ठेले वाले, दिहाड़ी मज़दूर और ग्रामीण परिवार, जो केवल नकद पर निर्भर रहते थे, अब बैंक खातों से जुड़े। इससे उन्हें सुरक्षित बचत करने, सीधे सरकारी लाभ पाने और आसानी से क़र्ज़ तक पहुंचने का अवसर मिला।

आधार ने नागरिकों को डिजिटल पहचान दी। अब तक 142 करोड़ से ज़्यादा पंजीकरण हो चुके हैं। इससे सरकारी सेवाओं तक पहुंचना आसान हो गया, जहां पहले कई दस्तावेज़ों की जांच की ज़रूरत पड़ती थी। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने बिचौलियों को हटा दिया और गड़बड़ी कम की। अब तक डीबीटी से 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। यही पैसा स्कूल, अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे बनाने में लगाया जा रहा है।

पहले ग्राहक की पहचान (केवाईसी) की प्रक्रिया कठिन थी। इसमें कागज़ी दस्तावेज़ों की जांच, मैनुअल प्रक्रिया और कई बार की भाग-दौड़ शामिल होती थी। इससे सेवा प्रदाताओं को हर वेरिफ़िकेशन पर सैकड़ों रुपये खर्च करने पड़ते थे। आधार आधारित ई-केवाईसी ने इस खर्च को घटाकर मात्र 5 रुपये में कर दिया। अब छोटे से छोटे लेन-देन भी आर्थिक रूप से संभव हो गए हैं।

यूपीआई ने भारत के भुगतान करने का तरीका बदल दिया। अब तक 55 करोड़ से ज़्यादा लोग इसका इस्तेमाल कर चुके हैं। सिफ़र् अगस्त 2025 में ही 20 अरब से अधिक लेन-देन हुए, जिनकी कुल राशि 24.85 लाख करोड़ रुपये रही। अब पैसे भेजना बैंक में घंटों की परेशानी नहीं, बल्कि मोबाइल पर 2 सेकंड से भी कम का काम है। बैंक जाने, लाइन लगाने और कागज़ी प्रक्रिया की जगह अब क्यूआर कोड स्कैन से तुरंत भुगतान हो जाता है। आज भारत दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स का आधा हिस्सा अकेले संभालता है। दस साल पहले भारत ज़्यादातर नकद पर निर्भर था। प्रधानमंत्री मोदी की सोच ने जैम ट्रिनिटी और यूपीआई ढांचे को अंतिम रूप दिया। जब कोविड आया और उन्होंने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया, तो यह पूरा सिस्टम कामयाब साबित हुआ। नतीजा यह है कि आज यूपीआई, वैश्विक स्तर पर वीज़ा से भी अधिक लेन-देन करता है। एक साधारण मोबाइल फ़ोन अब बैंक, पेमेंट गेटवे और सर्विस सेंटर... सब कुछ बन गया है। 'प्रगति ने शासन में जवाबदेही लाने का काम किया। यह प्लेटफ़ॉर्म प्रधानमंत्री को सीधे प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग से जोड़ता है, जहां हर महीने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए समीक्षा होती है। जब अधिकारियों को पता होता है कि प्रधानमंत्री लाइव वीडियो में उनका काम देखेंगे, तो जवाबदेही अपने आप बढ़ जाती है। जैसे किसी राजमार्ग परियोजना में देरी हो रही हो, तो प्रगति समीक्षा के दौरान तुरंत उस पर ध्यान दिया जाता है और अधिकारियों को देरी का कारण बताना पड़ता है। इससे तुरंत सुधार होता है और आखिरकार जनता को सीधा लाभ मिलता है।

तकनीक ने खेती और स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह बदल दिया है। हरियाणा के किसान जगदेव सिंह अब फ़सल से जुड़े फैसले लेने के लिए एआई ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें मौसम की जानकारी और मिट्टी की सेहत का डेटा सीधे मोबाइल पर मिल जाता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के ज़रिए 11 करोड़ किसानों को सीधी आय सहायता डिजिटल माध्यम से पहुंचाई जाती है। डिजी-लॉकर के अब 57 करोड़ से ज़्यादा उपयोगकर्ता हैं, जिनमें 967 करोड़ दस्तावेज़ डिजिटल रूप से सुरक्षित रखे गए हैं। आपका ड्राइविंग लाइसेंस, डिग्री सर्टिफ़िकेट, आधार और अन्य सरकारी दस्तावेज़ अब आपके फ़ोन में सुरक्षित रहते हैं। सड़क पर पुलिस चेकिंग के दौरान अब कागज़ ढूंढने की ज़रूरत नहीं। बस डिजी-लॉकर से डिजिटल लाइसेंस दिखा दीजिए। आधार ऑथेंटिकेशन से आयकर रिटर्न भरना भी बेहद आसान हो गया है। जहां पहले ढेर सारे दस्तावेज़ों की फ़ाइलें साथ ले जानी पड़ती थीं, अब सब कुछ आपकी जेब में मोबाइल पर समा गया है।

भारत ने वह कर दिखाया जो असंभव सा लगता था। मंगल तक पहली कोशिश में पहुंचना और वह भी इतने कम खर्चे में, जितना एक हॉलीवुड फ़ल्मि पर भी नहीं लगता। मंगलयान मिशन केवल 450 करोड़ में पूरा हुआ, जिसने साबित किया कि भारतीय इंजीनियरिंग विश्वस्तरीय नतीजे दे सकती है। चंद्रयान-3 ने भारत को चाँद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनाया और चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश। इसरो ने एक ही मिशन में 104 उपग्रह छोड़े, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। अब भारतीय रॉकेट 34 देशों के उपग्रह अंतरिक्ष में पहुँचा रहे हैं। गगनयान मिशन भारत को चौथा ऐसा देश बनाएगा जो अपनी स्वदेशी तकनीक से इंसानों को अंतरिक्ष में भेजेगा। प्रधानमंत्री मोदी हमारे वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे और उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताया। जब कोविड-19 आया, तो पूरी दुनिया वैक्सीन बांटने की अफरा-तफरी से जूझ रही थी। भारत ने अपनी ताक़त दिखाते हुए समाधान दिया। कोविन प्लेटफ़ॉर्म रिकॉर्ड समय में बनाया गया। यह दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का एक संपूर्ण डिजिटल समाधान था। इस प्लेटफ़ॉर्म ने 200 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज़ को सटीक डिजिटल ढंग से संभाला। न कोई ब्लैक मार्केटिंग, न पक्षपात सिफ़र् पारदर्शी वितरण। डायनैमिक एलोकेशन की वजह से बर्बादी रुकी। बची हुई वैक्सीन तुरंत उन इलाक़ों में भेज दी जाती थी जहां ज़्यादा ज़रूरत थी। यह उपलब्धि दिखाती है कि जब तकनीक को राजनीतिक इच्छाशक्ति का सहारा मिलता है, तो वह बहुत बड़े स्तर पर और पूरी निष्पक्षता के साथ परिणाम दे सकती है।

चीज़ें बनाने का असली नियम यह है कि आप सीधे चिप्स बनाने पर नहीं कूद सकते, पहले बुनियादी चीज़ें सीखनी पड़ती हैं। यह बिल्कुल वैसे है जैसे कोडिंग सीखते समय सबसे पहले ₹हैलो वर्ल्ड₹ से शुरुआत होती है, उसके बाद ही बड़े ऐप्स बनाए जाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन भी इसी क्रम का पालन करता है। देश पहले असेंबली में महारत हासिल करते हैं, फिर सब-मॉड्यूल्स, कंपोनेंट्स और उपकरणों तक आगे बढ़ते हैं। भारत की यात्रा भी इसी प्रगति को दर्शाती है। प्रधानमंत्री की दृष्टि के तहत, आज हमारी मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन क्षमता हमें उन्नत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की ओर छलांग लगाने में मदद कर रही है। भारत लंबे समय से डिज़ाइन टैलेंट का केंद्र रहा है। दुनिया के 20त्न से ज़्यादा चिप डिज़ाइनर यहीं हैं। अब भारत 2एनएम, 3एनएम और 7एनएम जैसे एडवांस्ड चिप्स डिज़ाइन करने में सक्षम है। ये चिप्स भारत में डिज़ाइन होकर दुनिया भर के लिए बनाए जा रहे हैं। वर्तमान में फ़ैब्स और पैकेजिंग फ़ैसिलिटीज़ बनाने पर फोकस करना इस प्राकृतिक विकास का अगला कदम है। लेकिन यह सोच केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। सेमीकंडक्टर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स, गैस और विशेष सामग्री को भी समर्थन दिया जा रहा है।

इससे केवल फैक्ट्रियाँ नहीं, बल्कि एक पूरा ईकोसिस्टम खड़ा हो रहा है। इन क्षेत्रों में बढ़ोतरी प्रधानमंत्री मोदी की वैल्यू चेन की गहरी समझ से संभव हुई है। क्षमता को कदम-दर-कदम विकसित करना और हर चरण को मजबूत बनाना, उसके बाद ही अगले स्तर पर बढ़ना।

पीएम गति शक्ति पोर्टल जीआईएस तकनीक का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करता है। हर बुनियादी ढांचे की परियोजना डिजिटल रूप से मैप की जाती है। सड़कें, रेल, हवाई अड्डे और बंदरगाह अब साथ में योजना बनाकर तैयार होते हैं। अब अलग-अलग विभागों में बिखरा काम नहीं, और न ही तालमेल की कमी से होने वाली देरी।

इंडिया एआई मिशन के तहत 38,000 से अधिक जीपीयू उपलब्ध कराए गए हैं, वह भी वैश्विक लागत के एक-तिहाई दाम पर। इससे स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और छात्रों को सिफ़र् 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर सिलिकॉन वैली जैसी कंप्यूटिंग सुविधा मिली है। एआईकोश प्लेटफ़ॉर्म पर 2,000 से ज़्यादा डेटा सेट मौजूद हैं। मौसम से लेकर मिट्टी की सेहत तक। इन्हीं की मदद से भारत की भाषाओं, क़ानूनों, स्वास्थ्य प्रणालियों और वित्त क्षेत्र के लिए स्थानीय एलएलएम विकसित किए जा सकते हैं। तकनीक को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की समझ भारत की अनूठी एआई रेगुलेशन नीति में भी दिखाई देती है। दुनिया के केवल बाज़ार-आधारित या सरकार-नियंत्रित मॉडल से अलग, वे एक विशिष्ट टेक्नो-लीगल फ्रेमवर्क की कल्पना करते हैं।

'दीदी माफ कर दो...' यूपी की महिला पुलिसकर्मियों ने किया एनकाउंटर तो गिड़गिड़ाया बदमाश

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में महिला पुलिस की सतर्कता और बहादुरी का बड़ा उदाहरण सामने आया है। यहां चेकिंग के दौरान एक बदमाश से महिला पुलिस टीम की मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायल होने के बाद बदमाश महिला पुलिस टीम से बार-बार रहम की भीख मांगता रहा और बोला दीदी गलती हो गई, माफ कर दो, अब आगे से नहीं आऊंगा।

यह घटना गाजियाबाद कमिश्नरी के महिला थाना क्षेत्र की है। सोमवार देर रात महिला थाना पुलिस टीम लोहिया नगर इलाके में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान टीम को एक संदिग्ध स्कूटी आती दिखाई दी। पुलिस ने जैसे ही उसे रुकने का इशारा किया, बदमाश घबराकर स्कूटी मोड़कर भागने की कोशिश करने लगा।

स्कूटी मोड़ने के दौरान बदमाश संतुलन खो बैठा और सड़क पर गिर पड़ा। जैसे ही उसने पुलिस टीम को अपनी ओर आते देखा, उसने अचानक महिला पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। गोली चलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि महिला पुलिस टीम ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी फायरिंग की, जिससे गोली बदमाश के पैर में लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा।

कौन है बदमाश जितेंद्र?

पकड़े गए बदमाश की पहचान जितेंद्र के रूप में हुई है। वह गाजियाबाद के विजयनगर इलाके में रहता है और मूल रूप से अलीगढ़ का रहने वाला है। पुलिस जांच में सामने आया है कि जितेंद्र के खिलाफ आठ से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चोरी, लूट और अवैध हथियार रखने जैसी धाराएं शामिल हैं। महिला पुलिस टीम ने मौके से आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, स्कूटी और लूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया है। घायल बदमाश को पुलिस की निगरानी में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

क्या बोलीं पुलिस अधिकारी?

सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया कि रात में सुरक्षा और महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया था। इसी दौरान यह मुठभेड़ हुई। उन्होंने कहा कि बदमाशों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा और कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद इलाके में महिला पुलिस टीम की बहादुरी की चर्चा हो रही है। आमतौर पर मुठभेड़ की खबरें पुरुष पुलिस अधिकारियों से जुड़ी होती हैं, लेकिन इस बार महिला पुलिस टीम ने अपने साहस और त्वरित कार्रवाई से साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी के पुराने मामलों की जांच कर रही है और उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

नगर पालिका में भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर पालिका में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार, तेल गबन, शहर की बदहाल सड़कों, गोमती घाट को निजी हाथों में सौंपने और तीन मौत की घटनाओं पर चुप्पी जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता शहर कांग्रेस कार्यालय से विशाल जुलूस निकालकर नगर पालिका परिसर पहुँचे और नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद सिंह और शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान ने किया। प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह ने आरोप लगाया कि नगर पालिका में हो रहे घोटालों के लिए सीधे तौर पर स्थानीय मंत्री गिरीश चन्द्र यादव जिम्मेदार हैं। उनके संरक्षण के बिना इतना बड़ा भ्रष्टाचार संभव नहीं है। कार्यकर्ताओं ने "तेल छोड़ो, गद्दी छोड़ो" के नारे लगाते हुए मंत्री से इस्तीफे की माँग की। जिला अध्यक्ष ने कहा कि

जौनपुर की जनता भ्रष्टाचार और लापरवाही को और बर्दाश्त नहीं करेगी। सड़कों पर गड्ढों की वजह से रोज हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन और मंत्री बेपरवाह हैं। अगर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस आंदोलन और तेज करेगी।शहर अध्यक्ष ने कहा कि गोमती नदी का घाट जौनपुर की पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे निजी हाथों में देना शहर की संस्कृति और परंपरा पर सीधा प्रहार है। नगर पालिका भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुकी है, जबकि भाजपा नेता केवल सत्ता सुख में डूबे हैं। राकेश सिंह डब्बू और राकेश मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों पर लगातार संघर्ष कर रही है और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता के बीच उजागर करती रहेगी। विनय तिवारी, देवराज पांडेय, अरुण शुक्ला, कृष्णचंद निषाद, आशुतोष सिंह आशू, संतोष गिरी, अनिल दुबे आजाद, इरशाद खान, शैलेन्द्र यादव, असरफ अली, मु. ताहिर, अनिल सिंह आदि मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान नगर पालिका प्रशासन और मंत्री गिरीश यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन चरणबद्ध तरीके से और व्यापक किया जाएगा।

'दीदी माफ कर दो...' यूपी की महिला पुलिसकर्मियों ने किया एनकाउंटर तो गिड़गिड़ाया बदमाश

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में महिला पुलिस की सतर्कता और बहादुरी का बड़ा उदाहरण सामने आया है। यहां चेकिंग के दौरान एक बदमाश से महिला पुलिस टीम की मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायल होने के बाद बदमाश महिला पुलिस टीम से बार-बार रहम की भीख मांगता रहा और बोला दीदी गलती हो गई, माफ कर दो, अब आगे से नहीं आऊंगा।

यह घटना गाजियाबाद कमिश्नरी के महिला थाना क्षेत्र की है। सोमवार देर रात महिला थाना पुलिस टीम लोहिया नगर इलाके में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान टीम को एक संदिग्ध स्कूटी आती दिखाई दी। पुलिस ने जैसे ही उसे रुकने का इशारा किया, बदमाश घबराकर स्कूटी मोड़कर भागने की कोशिश करने लगा।

स्कूटी मोड़ने के दौरान बदमाश संतुलन खो बैठा और सड़क पर गिर पड़ा। जैसे ही उसने पुलिस टीम को अपनी ओर आते देखा, उसने अचानक महिला पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। गोली चलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि महिला पुलिस टीम ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी फायरिंग की, जिससे गोली बदमाश के पैर में लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा।

कौन है बदमाश जितेंद्र?

पकड़े गए बदमाश की पहचान जितेंद्र के रूप में हुई है। वह गाजियाबाद के विजयनगर इलाके में रहता है और मूल रूप से अलीगढ़ का रहने वाला है। पुलिस जांच में सामने आया है कि जितेंद्र के खिलाफ आठ से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चोरी, लूट और अवैध हथियार रखने जैसी धाराएं शामिल हैं। महिला पुलिस टीम ने मौके से आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, स्कूटी और लूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया है। घायल बदमाश को पुलिस की निगरानी में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

क्या बोलीं पुलिस अधिकारी?

सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया कि रात में सुरक्षा और महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया था। इसी दौरान यह मुठभेड़ हुई। उन्होंने कहा कि बदमाशों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा और कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद इलाके में महिला पुलिस टीम की बहादुरी की चर्चा हो रही है। आमतौर पर मुठभेड़ की खबरें पुरुष पुलिस अधिकारियों से जुड़ी होती हैं, लेकिन इस बार महिला पुलिस टीम ने अपने साहस और त्वरित कार्रवाई से साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी के पुराने मामलों की जांच कर रही है और उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

स्वस्थ नारी – सशक्त परिवार अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित, डॉ. सतेन्द्र कुमार ने जन जागरूकता पर दिया जोर

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। "स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार" अभियान के तहत मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एका में जनजागरूकता कार्यशाला आयोजित की गयी। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सतेन्द्र कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचे, इसके लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। समुदाय तक यह सन्देश स्पष्ट रूप से पहुंचना

चाहिए कि 17 सितम्बर से दो अक्तूबर तक जिले में स्वास्थ्य परामर्श, जाँच और इलाज के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कार्यशाला में बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता और एएनएम उपस्थित रहीं।

डॉ. सतेन्द्र कुमार ने कहा कि अभियान के दौरान खास तौर पर गर्भवती महिलाओं में खून की कमी की जांच कर उसे दूर करने पर जोर दिया जा रहा है। शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया की पहचान कर जिंक और ओआरएस का वितरण किया जा रहा है। स्तन कैंसर, ग्रीवा कैंसर, ओरल कैंसर आदि की पहचान कर उनके इलाज का प्रबंध किया जा रहा है। पोषण माह की गतिविधियों में आंगनबाड़ी केन्द्रों को सहयोग पहुँचाया जा रहा है। स्तनपान के फायदे महिलाओं को बताये जा रहे हैं। उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली महिलाओं की पहचान कर उनको बेहतर सेवाएं प्रदान करने के पुख्ता प्रबंध किये जा रहे हैं। किशोरियों और युवतियों में माहवारी को लेकर व्याप्त भ्रांतियों को दूर किया जा रहा है। शत-प्रतिशत बच्चों के सम्पूर्ण टीकाकरण को सुनिश्चित करने पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है।

डॉ. सतेन्द्र कुमार ने सभी आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम से अपील की कि समुदाय में स्वस्थ्य नारी - सशक्त परिवार अभियान के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर पूरा ज़ोर दें ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस अभियान का लाभ उठा सकें। इस मौके पर पीएसआई इंडिया से राजेश कुमार प्रजापति, कैफूल हसन, बीसीपीएम शैला, बीपीएम भूनेन्द्र और स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

6159 कॉल, 315 मैसेज... जेल से बाहर आए सिरफिरे ने पार की हदें, तंग आकर महिला कंडक्टर ने लगाया फंदा

आर्यावर्त संवाददाता

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा में एक सिरफिरे युवक ने हदें पार कर दी। बस कंडक्टर युवती पर जबरन शादी का दबाव बनाकर उसे परेशान किया। इस दौरान आरोपी ने छह महीने में युवती को 6159 बार कॉल व 315 मैसेज किए। उसने युवती को राजी न होने पर एसिड अटैक करने व अश्लील वीडियो वायरल करने और दुष्कर्म करने की धमकी दी। साथ ही आरोपी ने युवती के परिवार को भी धमकाया।

मामले में चरखारी निवासी युवती रोडवेज बस में कंडक्टर का काम करती है। कस्बे का ही रहने वाला मोहम्मद रहीस नाम का युवक उसे कई महीने से परेशान कर रहा है। वह अलग-अलग मोबाइल नंबरों से फोन कर युवती पर शादी का दबाव बना रहा है।

छह महीने 6159 कॉल व 315 मैसेज

रहीस ने छह माह में एक मोबाइल नंबर से 4,387 और दूसरे नंबर से 1,772 बार कॉल किए। साथ ही वह 315 बार मैसेज भेज चुका है। वह मैसेज में जान से मारने की धमकी देता है और उससे जबरन शादी करना चाहता है। साथ ही वह उसके अश्लील वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया में वायरल करने की धमकी देता है।

जमानत पर बाहर आरोपी

मामले में युवती ने इसकी शिकायत 28 अगस्त को चरखारी कोतवाली में की थी। पुलिस ने रहीस समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। रहीस इस समय जमानत पर बाहर है। बावजूद इसके रहीस नहीं सुधरा। उसने फिर से युवती को परेशान करना शुरू कर दिया। वो युवती को लगातार धमकियां देने लगा।

युवती ने की आत्महत्या की कोशिश

इस सबसे तंग आकर युवती ने रविवार रात को फंदा लगा कर जान देने का प्रयास किया। गनीमत रही की समय रहते ही परिवार वालों ने युवती को देख लिया और उसे फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर भागे। यहां युवती की हालत में सुधार बताया जा रहा है।

आपोरियों को मिलेगी सजा

मामले में पुलिस ने बताया कि इस मामले के संबंध में पहले चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट की गई थी। इसके बाद आरोपियों को जमानत मिल गई है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मानव प्रगति में विज्ञान एवं तकनीक की भूमिका महत्वपूण

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में दीक्षोत्सव के अंतर्गत 21वीं सदीं में विज्ञान एवं तकनीकीरू संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर व्याख्यान आयोजित किया जाएगा। व्याख्यान के मुख्य वक्ता पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो राजाराम यादव ने कहा कि 21वीं सदी विज्ञान और तकनीक की सदी है । आज शिक्षा, संचार, चिकित्सा, कृषि, उद्योग, परिवहन, रक्षा, ऊर्जा के क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रगति ने मानव जीवन को बेहतर बनाया है।प्रो यादव ने कहा कि बेरोजगारी, असमानता, साइबर खतरे और पर्यावरणीय संकट जैसी चुनौतियाँ भी सामने हैं। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग किस प्रकार करते है।

पुलिस चौकी से पचास मीटर दूर नाले में युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्याकर शव फेंकने की आशंका

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। लिसाडी गेट थाना क्षेत्र के पिलोखड़ी पुलिस चौकी से पचास मीटर की दूरी पर श्यामनगर नाले में शव मिलने से सनसनी फैल गई। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने हत्या करने के बाद शव नाले में फेंक दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मंगलवार सुबह श्यामनगर स्थित अखलाक मस्जिद के पास नगर निगम का सफाईकर्मी नाले की सफाई कर रहा था। नाले में सफाईकर्मी ने एक शव पड़ा देखा तो आसपास के लोगों को सूचना दी। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव तीन-चार दिन पुराना होने के कारण पूरी तरह से फूल गया था।

पुलिस ने नाले से शव को बाहर निकाला। मृतक की उम्र करीब 35 साल बताई जा रही है। आशंका है कि किसी ने हत्या करने के बाद शव को नाले में फेंक दिया हो। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के लिए स्थानीय लोगों से पूछताछ की। काफी प्रयास के बाद भी मृतक की शिनाख्त पुलिस नहीं कर पाई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक के बारे में पुलिस पता लगाने में जुटी है। लिसाड़ी गेट इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही व्यक्ति की मौत का कारण पता चल सकेगा। उसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जागरण संवाददाता, मेरठ। बागपत रोड पर डीपीएस के सामने तेज रफ्तार कार की टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई और उसकी पत्नी चोटिल हो गई। आरोपित चालक कार समेत फरार हो गए। टीपीनगर थानाक्षेत्र के मलियाना निवासी 37 वर्षीय अरविंद अपने घर पर डेरी चलाते थे। सोमवार रात नौ बजे वह पत्नी कमलेश के साथ बाइक से दिल्ली-दून हाईवे स्थित होटल में खाना खाने जा रहे था। दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने अचानक सड़क पर आए पशु को बचाने के प्रयास में अरविंद ने बाइक को डिवाइडर की तरफ मोड़ा तो पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने बाइक को रौंद दिया। टक्कर लगते ही दंपती बाइक समेत सड़क पर गिरा। सड़क में सिर लगने से अरविंद गंभीर घायल हो गए। पुलिस घायल दंपती को सुभारती अस्पताल ले गई, जहां अरविंद को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अरुण मिश्रा सीसीटीवी से कार का पता लगाया जा रहा है।

दुबई के राम से लड़ेंगे कानपुर के रावण, 148 साल पुरानी रामलीला के किरदार हैं दिलचस्प

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर की ऐतिहासिक परेड रामलीला, जो 148 सालों से लगातार अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है। इस बार भी दर्शकों को भक्ति और कला के अनूठे संगम का साक्षी बनाएगी। श्री रामलीला सोसाइटी परेड के तत्वावधान में आयोजित इस रामलीला में मथुरा की मंडली की ओर से मंचन किया जा रहा है। इस बार की खासियत है कि मंच पर सीता के रूप में अभिनय करने वाला कक्षा आठ का छात्र कार्तिकेय चतुर्वेदी और साधु वेश में रावण की भूमिका निभाने वाले उनके पिता रत्नेश दत्त चतुर्वेदी एक-दूसरे के सामने एक्टिंग करेंगे। यह पिता-बेटे की जोड़ी सीता हरण के प्रसंग को जीवंत करेगी, जो दर्शकों के लिए भावनात्मक और नाटकीय अनुभव होगा।

इस रामलीला में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले 24 साल सूरज चतुर्वेदी दुबई में अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत हैं। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि निवासी सूरज ने एम। कॉम की डिग्री हासिल की है और पिछले आठ सालों से रामलीला में एक्टिंग कर रहे हैं। उनके गुरु व्यास महेश दत्त चतुर्वेदी से उन्होंने एक्टिंग की बारीकियां सीखी हैं। सूरज कहते हैं, रामचरितमानस मेरे लिए सिर्फ एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन का मार्गदर्शक है। भगवान राम के त्याग और आदर्शों से मैं प्रभावित हूं।

अंकुर चतुर्वेदी निभाएंगे लक्ष्मण की भूमिका

वहीं, लक्ष्मण की भूमिका में 25 वर्षीय अंकुर चतुर्वेदी नजर आएंगे, जो मथुरा में पैक्ड पानी और शीतलपेय की एजेंसी चलाते हैं। पिछले तीन सालों तक वह राम की भूमिका निभा चुके हैं और इस बार लक्ष्मण के किरदार में दर्शकों का मन मोहेंगे। हनुमान की भूमिका 28 साल के अभिषेक दत्त चतुर्वेदी निभा रहे हैं, जो पहले अहिरावण, बाली और शंकर जैसे किरदारों में अपनी छाप छोड़ चुके हैं। रत्नेश दत्त, जो साधु वेश में रावण का किरदार निभाते हैं। नारद और कुंभकर्ण की भूमिकाओं में भी मंच पर उतरते हैं।

रामलीला का गौरवशाली इतिहास

परेड की रामलीला की शुरुआत 1877 में पंडित प्रयाग नारायण तिवारी ने की थी, जब देश में अंग्रेजी शासन था। उस समय बच्चों को अनंत चतुर्दशी से सोसाइटी में बुलाकर एक्टिंग सिखाई जाती थी। 15 दिन की दीक्षा, मुंडन संस्कार और यज्ञोपवीत धारण के बाद उन्हें मंचन की जिम्मेदारी सौंपी जाती थी। 1975 तक स्वरूप परंपरा के तहत भगवान के अंशावतार के रूप में बच्चों को तैयार किया जाता था। अब मथुरा की मंडली इस परंपरा को आगे बढ़ा रही है।

मुकुट पूजन की अनूठी परंपरा

रामलीला की शुरुआत पहले राम वनवास के प्रसंग से होती थी और बीएनएसडी भवन सेक्शन हाल में मंचन किया जाता था। राजगद्दी उत्सव हटिया में मनाया जाता था। वर्तमान में यह आयोजन परेड मैदान में होता है, जहां मुकुट पूजन की परंपरा आज भी जीवित है। यह रामलीला न केवल धार्मिक उत्साह का प्रतीक है, बल्कि कला, संस्कृति और समर्पण का अनूठा संगम भी है। शहरवासियों के लिए यह रामलीला केवल एक नाट्य मंचन नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा का जीवंत उत्सव है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है।

थमता नजर नहीं आ रहा चण्डिकास मन्दिर का विवाद

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मड़ियाहू कस्बे के मिर्दहा मोहल्ले में स्थित चंडिका माता मंदिर पर कुछ अवसरवादियो द्वारा मंदिर के नाम से चोरी छिपे ट्रस्ट बनाने का विरोध थमता नजर नहीं आ रहा है। नगर पंचायत के सभासदों के बाद दो समाजसेवियों ने सामने आकर सब रजिस्ट्रार को ट्रस्ट बनाने की अनुमति नहीं देने के लिए कागजी कार्रवाई पूरा किया है।ज्ञात हो कि मिर्दहा मोहल्ले में स्थित चंडिका माता मंदिर वर्तमान समय में सरकार के अभिलेखों में पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए एक धार्मिक स्थल के रूप में जाना जा रहा है जिसके लिए 188.29 लाख रुपए मंदिर के जीणोद्धार एवं सुंदरीकरण के लिए नगर पंचायत के प्रयास से अवमुक्त है और मंदिर पर सुंदरीकरण का कार्य भी तेजी के साथ चल रहा है।इसी बीच मंदिर को अपना निजी संपत्ति बनाने के लिए कुछ अवसरवादी लोग चंडिका माता मंदिर के नाम से ट्रस्ट बनाने की योजना तैयार किया। और चार दिन पहले मड़ियाहूं तहसील स्थित सब रजिस्टार दफ्तर में पहुंचकर रजिस्ट्रेशन भी करवाने की पहल शुरू किया जिसकी भनक नगर के कुछ सभासदों को हो गई, इसके बाद काफी संख्या में सभासदों ने पहुंचकर सब रजिस्टार दफ्तर पर विरोध किया। नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी चंदन सिंह गौड़ ने भी जिलाधिकारी समेत मुख्यमंत्री तक इसकी जानकारी भेजा तब जाकर अवसरवादियो द्वारा ट्रस्ट बनाने का सपना चूर चूर हो सका। और दफ्तर से अपना कागजात लेकर धीरे से रफू चक्कर हो गए। रवि केसरी एवं नागेश निगम ने भी ट्रस्ट बनाने वालों का विरोध करते हुए आगे आए और दोपहर में सब रजिस्टार के यहां कागजी कार्रवाई पूरा करते हुए शिकायत किया कि कुछ लालची एवं बेईमान प्रवृत्ति की लोगों की नजर मंदिर की संपति एवं जमीनों पर पड़ गई है।

गलत तरीके से बैठने की आदत हो सकती है जानलेवा, ऑफिस में काम करने वाले लोग हो जाएं सावधान

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि अगर आप दिन का एक बड़ा हिस्सा अपनी डेस्क पर बैठे-बैठ बिताते हैं, विशेषतौर पर पैरों को क्रॉस करके बैठते है तो इससे आपमें ब्लड क्लॉटिंग का जोखिम हो सकता है।

लाइफस्टाइल की गड़बड़ी ने सभी उम्र के लोगों में कई प्रकार की बीमारियों को बढ़ा दिया है। हम जाने-अनजाने रोज कुछ न कुछ ऐसी चीजें करते रहते हैं जो सेहत के लिए गंभीर समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती हैं। लंबे समय तक बैठे रहने की आदत को बहुत खतरनाक माना जाता है। ऑफिस में कंप्यूटर पर काम करते समय, घर पर टीवी देखते हुए या मोबाइल स्क्रॉल करते हुए, हम घंटों एक ही जगह बैठे रहते हैं। यह आदत धीरे-धीरे हमारी सेहत को भीतर से खोखला कर रही है।

डॉक्टर कहते हैं, दिन का लंबा समय बैठे-बैठे बिता देना तो नुकसानदायक है ही, पर इससे भी खतरनाक है पैरों को क्रॉस करके बैठना। बहुत से लोग इसे बैठने का सामान्य और आरामदायक पोजिशन मानते हैं, लेकिन शोध बताते हैं कि यह आदत आपको कई गंभीर रोगों का शिकार बना सकती है।

पैरों को क्रॉस करके बैठना नुकसानदायक

एक हालिया अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि अगर आप दिन का एक बड़ा हिस्सा अपनी डेस्क पर बैठे-बैठ बिताते हैं, विशेषतौर पर पैरों को क्रॉस करके बैठते है तो इससे आपमें ब्लड क्लॉटिंग का जोखिम हो सकता है। आमतौर पर इस तरीके से बैठने से शरीर के निचले अंगों में रक्त प्रवाह बाधित हो सकती है, जिससे 'ई-थ्रोम्बोसिस' नामक समस्या हो सकती है।

'ई-थ्रोम्बोसिस' शब्द, कंप्यूटर से संबंधित घातक रक्त के थक्कों के लिए प्रयोग में लाया जाता है, जैसे काम के दौरान अपनी डेस्क पर बैठे रहने, गेमिंग कुर्सी पर घंटों बिताने के कारण होने वाली समस्या।

रक्त संचार की हो सकती है समस्या

जब आप पैरों को क्रॉस करके बैठते हैं, तो इससे एक प्रकार का प्रेशर प्वाइंट बनता है जो रक्त संचार को काफी हद तक बाधित कर सकता है। समय के साथ ये स्थिति आपके पैरों की नसों को संकुचित कर देती है, जिससे रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है और थक्के बनने की आशंका बढ़ जाती है।

डॉक्टरों ने कहा कई लोग अपनी स्थिति बदले बिना दिन में आठ या उससे ज्यादा घंटे बैठे रहते हैं, जिससे अनजाने में ही खुद को जोखिम में डाल लेते हैं।

डीप वेन थ्रोम्बोसिस का खतरा

जब हम लंबे समय तक पैरों को क्रॉस करके बैठते हैं, तो पैरों की नसों पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। इससे खून का बहाव बाधित हो सकता है। नतीजतन पैरों में सूजन, झनझनाहट और सुन्नपन महसूस होने लगता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि बार-बार ऐसा करने से डीप वेन थ्रोम्बोसिस का खतरा बढ़ जाता है। यह वह स्थिति है जिसमें पैरों की गहरी नसों में खून के थक्के (क्लॉट) बनने लगते हैं। अगर यह क्लॉट फेफड़ों तक पहुंच जाए, तो जानलेवा पल्मोनरी एम्बोलिज्म भी हो सकता है। इसलिए, शरीर में खून का फ्लो बनाए रखने के लिए क्रॉस-लेग बैठने से बचना बेहद जरूरी है।

इन समस्याओं को भी जानिए

इतना ही नहीं कई रिपोर्ट्स से पता चलता है कि पैरों को क्रॉस करके बैठने से ब्लड प्रेशर का भी जोखिम हो सकता है। इस पोश्चर के कारण नसों पर दबाव बढ़ता है और खून का संचार ऊपर की ओर जाता है, जिससे हृदय पर अतिरिक्त भार पड़ता है। लंबे समय तक यही आदत हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती है।

इसके अलावा जब हम लगातार पैरों को क्रॉस करके बैठते हैं, तो शरीर का भार संतुलित नहीं रहता। इससे रीढ़ की हड्डी और कमर पर असमान दबाव पड़ता है। धीरे-धीरे पीठ दर्द, कमर दर्द और स्पाइन में विकृति की समस्या बढ़ जाती है। रिसर्च बताती है कि गलत तरीके से बैठने की आदत से स्कोलियोसिस (रीढ़ का टेढ़ा होन) का भी जोखिम बढ़ जाता है।

घर पर आसानी से की जा सकती है हाथ और पैरों की वैक्स, अपनाएं ये तरीका

हाथ और पैरों के अनचाहे बालों को हटाने के लिए वैक्सिंग एक अच्छा तरीका है। इससे त्वचा चिकनी और साफ रहती है। अगर आप पहली बार वैक्सिंग करने जा रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सबसे पहले अपने शरीर को अच्छी तरह साफ करें, फिर वैक्सिंग के लिए जरूरी सामान का इस्तेमाल करें। इसके बाद त्वचा की देखभाल करें। इस लेख में हम आपको हाथ-पैरों की वैक्सिंग करने का तरीका बताएंगे।

वैक्सिंग के सामान का चयन करें

हाथ-पैरों की वैक्सिंग के लिए सही सामान का चयन करना बहुत जरूरी है। बाजार में कई प्रकार की वैक्सिंग सामग्री मिलती हैं, जिनमें गर्म और ठंडी वैक्स होती हैं। गर्म वैक्स अधिक प्रभावी होती है क्योंकि यह बालों को जड़ से निकालती है, जबकि ठंडी वैक्स कम असरदार होती है। अगर आप पहली बार वैक्सिंग कर रहे हैं तो ठंडी वैक्स का इस्तेमाल करें क्योंकि यह कम दर्द देती है।

त्वचा को तैयार करें

वैक्सिंग से पहले त्वचा को अच्छी तरह साफ करना चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की धूल-मिट्टी नहीं रह जाएं। इसके लिए आप हल्के साबुन और पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद त्वचा को सुखाने के लिए तौलिए का उपयोग करें। इससे वैक्सिंग प्रक्रिया के दौरान चिपचिपाहट नहीं होगी और वैक्सिंग उत्पाद अच्छी तरह से त्वचा पर लग सकेंगे। साफ-सफाई से त्वचा की तैयारी अच्छे से हो जाएगी।

वैक्सिंग प्रक्रिया शुरू करें

वैक्सिंग प्रक्रिया शुरू करने से पहले वैक्सिंग उत्पाद को हल्का गर्म करें ताकि वह आसानी से फैल सके। इसके लिए आप माइक्रोवेव या गैस स्टोव का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद वैक्सिंग उत्पाद को धीरे-धीरे हाथों या स्पैटुला की मदद से उन हिस्सों पर लगाएं जहां से बाल हटाने हैं। ध्यान रखें कि वैक्सिंग उत्पाद को बालों की दिशा के विपरीत लगाना चाहिए ताकि बाल अच्छे से निकल सकें और प्रक्रिया कम दर्दनाक हो।

वैक्स हटाने का तरीका

वैक्सिंग उत्पाद लगाने के बाद उसे ठंडे पानी से ठंडा करें ताकि वैक्स सेट हो जाए। इसके बाद स्पैटुला या हाथों की मदद से वैक्स को धीरे-धीरे हटाएं। ध्यान रखें कि वैक्स हटाने के दौरान त्वचा को खींचें नहीं बल्कि धीरे-धीरे ऊपर की ओर खींचें। इससे दर्द कम होगा और बाल जड़ से निकलेंगे। अगर कुछ बाल रह जाएं तो उन्हें चिमटी की मदद से निकाल सकते हैं।

बाद में माइस्चराइजर लगाएं

वैक्सिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद त्वचा को ठंडा रखने के लिए बर्फ रगड़ सकते हैं या ठंडे पानी से स्नान कर सकते हैं। इसके बाद माइस्चराइजर या एलोवेरा जेल लगाएं ताकि त्वचा मुलायम बने रहे। इससे आपकी त्वचा न केवल साफ-सुथरी रहेगी बल्कि मुलायम भी महसूस होगी। इस प्रकार इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से घर पर ही हाथ-पैर की वैक्सिंग कर सकते हैं।

ब्रश करने के बाद भी मुंह से आती है बदबू? हो सकते हैं ये 4 कारण

हम सभी सुबह उठने के बाद सबसे पहले दांत ब्रश करते हैं। इससे दांतों का स्वास्थ्य ठीक रहता है और कैविटी नहीं होती है। हालांकि, ब्रश करने के कुछ देर बाद ही कुछ लोगों के मुंह से बदबू आने लगती है। इस वजह से वे लोगों से बात करने या उनके पास बैठने में भी शर्म महसूस करने लगते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो इसके पीछे ये 5 कारण हो सकते हैं।

दुर्गंध बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ खाना

हमारे द्वारा खाई जाने वाली चीजें भी मुंह से आने वाली दुर्गंध का कारण बन जाती हैं। प्याज और लहसुन जैसे कुछ खाद्य पदार्थ दांत ब्रश करने के बाद भी मुंह में रह जाते हैं। उदाहरण के लिए, लहसुन की दुर्गंध दूर होने में एक दिन या उससे ज्यादा का समय लग सकता है। लहसुन के पेट में पहुंचने के बाद उसके तेल रक्तप्रवाह में पहुंच जाते हैं और फेफड़ों में पहुंचकर सांस को बदबूदार बना देते हैं।

कैविटी और मसूड़ों की बीमारी

कई बार लोग जल्दबाजी में ब्रश करते हैं, जिस वजह से दांत ठीक से साफ नहीं होते। इसके चलते दांतों के आस-पास बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं, जो कैविटी का कारण बन जाते हैं। एक बार कैविटी हो जाने के बाद दांतों को केवल ब्रश करके साफ नहीं किया जा सकता। इससे मसूड़ों की बीमारी हो सकती है, जो मुंह से आने वाली बदबू को और भी बढ़ा सकती है। ऐसे में आपको दांतों के डाक्टर के पास जाना चाहिए।

मुंह का सूखना

जब लार ग्रंथियां पर्याप्त मात्रा में लार नहीं बनाती हैं तो मुंह सूख जाता है। मुंह सूखने से दांतों पर बैक्टीरिया जमा होने लग जाते हैं। इससे सांस की दुर्गंध बढ़ जाती है और दांतों में सड़न व मसूड़ों की बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है। इसके अलावा शराब पीने, पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने और तंबाकू या कुछ प्रकार की दवाइयां खाने से भी मुंह सूख सकता है।

बीमारियां

कई ऐसी बीमारियां भी होती हैं, जो मुंह से आने वाली बदबू की वजह बन सकती हैं। ऐसा रक्तप्रवाह में रासायनिक बदलाव या शरीर में बैक्टीरिया के स्तर में परिवर्तन की वजह से होता है। अगर आपको मधुमेह, छाले या लिवर की कोई समस्या होती है तो आपके मुंह से दुर्गंध आना शुरू हो जाएगी। इसके अलावा किडनी की बीमारियां भी बदबू को बढ़ा सकती हैं। इलाज के दौरान जो दवाइयां खाई जाती हैं, वे भी दुर्गंध पैदा करती हैं।

कहीं आपको भी तो नहीं किया जा रहा गैसलाइट, इन लक्षणों से समय रहते करें पहचान

इन दिनों गैसलाइटिंग टर्म काफी सुनने और पढ़ने में आ रहा है। यह मानसिक शोषण का ही एक रूप है, जिसमें पीड़ित को अपनी ही सोच, मेमोरी और धारणा पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर कर दिया जाता है।

ऐसा करने वाले ज्यादातर अपने करीबी लोग ही होते हैं, जिन पर आप आंख मूंद कर भरोसा करते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा कुछ हो रहा है तो उसकी पहचान कैसे करें और कैसे ऐसे लोगों से खुद को बचाएं, आइए जानते हैं।

ये होते हैं गैसलाइटिंग के लक्षण

अपनी सोच को लेकर संदेह होने लगता है।

बार-बार अपनी याददाश्त पर शक होता है।

खुद को बेतुका या बेवकूफ मानने लगते हैं।

अपने आपको ही नाकाबिल, बेकार मानने लगते हैं।

Gaslight करने वाले इंसान से ही बार-बार माफी मांगते हैं।

औरों को भी उस व्यक्ति की गलत सोच पर सवाल उठाने से रोकते हैं।

खुद को अकेला या अलग-थलग कर लेते हैं।

किन रिश्तों में होता है सबसे ज्यादा

वैसे तो गैसलाइटिंग किसी भी रिश्ते में हो सकता है, लेकिन इनमें सबसे ज्यादा देखा गया है:

नजदीकी रिश्तों में: रिलेशनशिप में एक शोषक मानसिकता वाला व्यक्ति अपने पार्टनर को gaslight कर उसे औरों से अलग-थलग या दूर करने की कोशिश करता है। उसके आत्मविश्वास को तोड़ने और उस पर कंट्रोल करने के लिए वह ऐसा करता है। वह उससे लगातार ऐसा कहता रहता है कि तुम बेफिजूल की बातें करते हो जब तक कि उसके पार्टनर को ऐसा यकीन ना होने लगे।

बच्चे और पेरेंट: कई बार गैसलाइटिंग के मामले बच्चे और पेरेंट्स के बीच भी देखे जाते हैं, जहां कई सारे एब्यूसिव पेरेंट्स अपने बच्चों को कंट्रोल में रखने के लिए इसका सहारा लेते हैं। उन्हें रोने जैसी बात पर भी कोसते हैं और उन्हें गिल्ट महसूस कराने की कोशिश करते हैं।

वर्कप्लेस पर: दफ्तरों में भी कई बार सुपवाइजर अपने डर, असुरक्षा या सोच को अपने जूनियर पर लादने के लिए गैसलाइटिंग का सहारा लेते हैं। वो अपने नेगेटिव इमोशन को दूसरों पर डालने का प्रयास करते हैं।

ऐसे करें पहचान कि यह आपके साथ हो रहा है

वैसे तो गैसलाइटिंग के शिकार लोगों को इस बात का पता ही नहीं चलता कि उनके साथ ऐसा हो रहा है, लेकिन ध्यान देने पर आप इस तरह पहचान कर सकते हैं:

गैसलाइट करने वाला व्यक्ति अपनी गलतियां नहीं मानता और ना ही उसकी जिम्मेदारी लेता है।

वो आपसे कहता है कि आपको कुछ भी याद नहीं रहता या आप गलत हैं।

आपको ही उन घटनाओं का जिम्मेदार मानने के लिए मजबूर कर देता है।

गलत होने के लिए वह कभी माफी नहीं मांगता।

वह अक्सर यही कहता है आपका दिमाग खराब हो गया है या आप गलत हैं या बेहद सेंसिटिव हैं।

वह आपके अतीत को हथियार बनाता है या आपकी असुरक्षाओं को आपके ही खिलाफ इस्तेमाल करता है।

इस तरह रह सकते हैं सुरक्षित

गैसलाइट करने वाले व्यक्ति के बिहेवियर को पहचानें।

स्क्रीनशॉट, टेक्स्ट मैसेज जैसे सबूतों को सेव रखकर अपने अनुभवों का ट्रैक रखें।

अपने मेंटल और इमोशनल हेल्थ को सबसे पहले रखें। खुद को शांत रखने के लिए मेडिटेशन या ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें।

अपने खोए हुए आत्मविश्वास को दोबारा हासिल करने के लिए किसी थैरेपिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। इससे गैसलाइटिंग से हुए नुकसान को कम करने में काफी मदद मिल सकती है।

अगर कपल्स के बीच ऐसा कुछ हो रहा है तो दोनों ही थैरेपी के लिए जा सकते हैं।

जीएसटी 2.0 सुधारों के बाद आरबीआई से आ सकती है खुशखबरी

देश में महंगाई दर ऐतिहासिक न्यूनतम स्तर पर पहुंचने की ओर है। इसी बीच स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक अगर सितंबर में ब्याज दरों में कटौती करता है, तो यह सबसे सही कदम होगा। इसका सीधा फायदा आम जनता को मिलेगा, क्योंकि लोन की ईएमआई सस्ती हो सकती है।

एसबीआई के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर डॉ. सौम्या कांति घोष के मुताबिक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई अभी और नीचे जा सकती है। उनका अनुमान है कि जीएसटी दरों के तर्कसंगत सुधार से सितंबर और अक्टूबर में महंगाई 65 से 75 आधार अंक और घट सकती है।

अक्टूबर में सीपीआई 1.1 प्रतिशत तक आने की संभावना है, जो 2004 के बाद सबसे कम होगा।

रिपोर्ट में बताया गया है कि बिना किसी अतिरिक्त कटौती के भी सितंबर और अक्टूबर में महंगाई 2 प्रतिशत से नीचे जा रही है। वित्त वर्ष 2026 और 2027 के दौरान भी महंगाई आरबीआई के तय दायरे (4 प्रतिशत ह2 प्रतिशत) के निचले स्तर पर बनी रह सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में जब सरकार ने कई सामानों पर दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत की थी, तब केवल दो महीनों में महंगाई 35 आधार अंक कम हो गई थी। यानी टैक्स सुधार का असर सीधे महंगाई पर पड़ा था।

डॉ. घोष का कहना है कि नए सीपीआई आंकड़ों से भी महंगाई में 20 से 30 आधार अंकों की और गिरावट आने की संभावना है। इस आधार पर देखा जाए तो सितंबर में आरबीआई के लिए दर कटौती का फैसला लेना पूरी तरह उचित होगा।

आरबीआई ने अगस्त की बैठक में ब्याज दर 5.50 प्रतिशत पर बनाए रखी थी। लेकिन 29 सितंबर से शुरू होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में दर कटौती को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जून के बाद दर घटाने के मानक और सख्त हो गए हैं। ऐसे में आरबीआई को संतुलित तरीके से अपनी नीति जनता और बाज़ार तक पहुँचानी होगी। अगर इस मौके पर दर नहीं घटाई गई, तो यह एक बड़ी गलती मानी जाएगी, क्योंकि महंगाई लंबे समय तक नियंत्रण में बनी रह सकती है।

कुल मिलाकर, महंगाई में गिरावट, जीएसटी सुधार और स्थिर आर्थिक माहौल को देखते हुए सितंबर में दर कटौती से लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। इससे न केवल लोन सस्ता होगा, बल्कि आरबीआई की छवि एक दूरदर्शी केंद्रीय बैंक के रूप में और मजबूत होगी।

जीएसटी

यूआईडीएआई ने 1.4 करोड़ से ज्यादा लोगों के आधार किए निष्क्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने देशभर में 1.4 करोड़ से ज्यादा लोगों के आधार कार्ड निष्क्रिय (डिएक्टिवेट) कर दिए हैं। ये आधार नंबर मृत व्यक्तियों के हैं। यह कदम पिछले साल शुरू किए गए आधार स्वच्छता अभियान का हिस्सा है, जो एक सतत प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचाने के साथ मृतकों की पहचान का इस्तेमाल करके झूठा दावों को रोका जा सके। वर्तमान में आधार 3,300 से ज्यादा योजनाओं से जुड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार ने कहा, कल्याणकारी योजनाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने और दुरुपयोग को रोकने के लिए मृत व्यक्तियों के आधार नंबरों को निष्क्रिय करना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा, इससे सुनिश्चित होता है कि सार्वजनिक धन धोखाधड़ी वाले दावों या पहचान संबंधी धोखाधड़ी में बर्बाद न हो। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत प्राधिकरण का लक्ष्य दिसंबर तक 2 करोड़ आधार नंबरों को निष्क्रिय करना है।

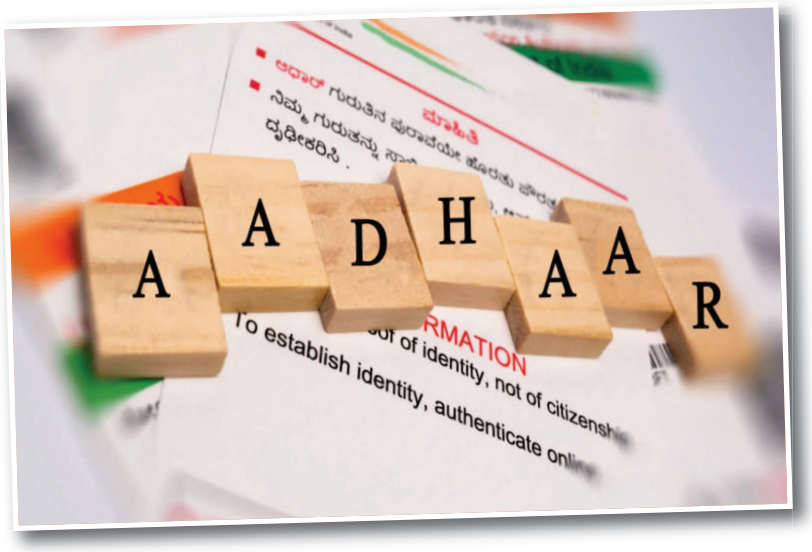

अधिकारियों ने बताया कि इस प्रक्रिया में मृत्यु पंजीकरण के लिए आधार अनिवार्य नहीं होना एक बड़ी चुनौती है, जिसके कारण डाटा में अंतर आ जाता है। कई मामलों में आधार संख्याएं मृत्यु रिकॉर्ड से गायब होती हैं या गलत या अधूरी दर्ज की जाती हैं। वित्तीय और गैर-वित्तीय संस्थानों में डाटा सही नहीं है, जिससे सत्यापन और मिलान मुश्किल हो जाता है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां सरकारी लाभ मृत व्यक्तियों के नाम पर जारी किए गए।

जीएसटी 2.0 : टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर, डिशवॉशर आज से 85,000 रुपये तक सस्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। नई जीएसटी दरें लागू होने के बाद आज (22 सितंबर) से सैकड़ों चीजें सस्ती हो गई हैं। नवरात्रि के पहले दिन से लागू इस फैसले से करीब 375 वस्तुओं पर कर घटा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिन कहा कि 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के 2 स्लैब में बदलाव से घर, वाहन और रोजमर्रा के सामान सस्ते होंगे। खाने-पीने की चीजों से लेकर बीमा सेवाओं तक पर कम जीएसटी लगने से उपभोक्ताओं पर खर्च का बोझ कम होगा।

जीएसटी दरें घटने से टीवी, एसी, फ्रिज और डिशवॉशर की कीमतें कम हो गई हैं। 32 इंच से बड़े टीवी पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हुआ। सोनी, एलजी और पैनासोनिक जैसे ब्रांड ने कीमतें 2,500-85,000 रुपये तक घटा दी हैं। सोनी ने अपने 43 से 98 इंच ब्राविया मॉडल पर 5,000-71,000 रुपये तक की कमी की है। एलजी ने 43 से 100 इंच मॉडल पर 2,500-85,800 रुपये तक एमआरपी कम करने की घोषणा की है।

एसी पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। वोल्टास, डाइकिन, गोदरेज और एलजी ने कीमतें कम की हैं। गोदरेज ने स्प्लिट एसी पर 3,200-5,900 रुपये तक कमी की, जबकि डाइकिन ने 1 टन 5 स्टार की कीमत 20,500 रुपये से घटाकर 18,890 रुपये कर दी। एलजी ने 1 टन 3-स्टार एसी की कीमत अब 32,890 रुपये कर दी। रेफ्रिजरेटर पर भी 7-9 प्रतिशत तक कीमतें घटने की उम्मीद है, जिससे त्योहारों में ग्राहकों को फायदा मिलेगा।

डिशवॉशर पर जीएसटी घटने से कीमतें कम हो गई हैं। बीएसएच होम अप्लायंसेज ने अपने डिशवॉशर की कीमतें 8,000 रुपये तक घटाईं। एंट्री-लेवल मॉडल अब 45,000 रुपये में मिलेगा, जबकि टॉप मॉडल 96,500 रुपये में उपलब्ध है। घी, पनीर, मक्खन, केचप, कॉफी और आइसक्रीम जैसे रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ भी सस्ते हो गए हैं। सरकार का दावा है कि इस कटौती से मध्यम वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा और त्योहारों की खरीदारी पर ग्राहकों का खर्च कम होगा।

गर्भवती महिलाओं को लेकर ट्रंप के इस बयान पर क्यों मच गया बवाल?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इमिग्रेशन और टैरिफ जैसे मुद्दों के बाद अब गर्भवती महिलाओं को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उनका दावा है कि गर्भावस्था के दौरान टायलेनॉल, जो दर्द और बुखार में सबसे आम इस्तेमाल की जाने वाली दवा है, लेने से बच्चों में ऑटिज्म का खतरा बढ़ सकता है।

ऑटिज्म एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसमें बच्चे की बोलचाल और दूसरों से घुलने-मिलने की क्षमता प्रभावित होती है। ट्रंप ने यहां तक कह दिया कि अगर बहुत जरूरी न हो तो गर्भवती महिलाएं दर्द और बुखार झेल लें। उनके इस बयान से चिकित्सा जगत में हलचल मच गई है, क्योंकि लंबे समय से टायलेनॉल को गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित दवा माना जाता रहा है।

कौन सी दवा है टायलेनॉल?

टायलेनॉल असल में एसिटामिनोफेन का ब्रांड नाम है, जो बुखार और दर्द कम करने के लिए दुनिया भर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं में से एक है। गर्भावस्था के दौरान जब दूसरी दर्दनिवारक दवाएं जैसे आइबूप्रोफेन या एस्पिरिन खतरनाक मानी जाती हैं, तब डॉक्टर टायलेनॉल को ही सबसे सुरक्षित विकल्प बताते आए हैं।

ट्रंप ने क्यों कहा तौबा करो टायलेनॉल से?

व्हाइट हाउस से संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि एफडीए (FDA) अब डॉक्टरों को चेतावनी भेजेगा कि गर्भावस्था में टायलेनॉल लेने से ऑटिज्म का खतरा बढ़ सकता है। उनका कहना था कि बहुत सारी दवाएं, बहुत सारे इंजेक्शन नवजात बच्चों पर एक साथ लाद दिए जाते हैं, ये ठीक नहीं है। ट्रंप ने यहां वैक्सीन शेड्यूल पर भी सवाल उठाए और हेपेटाइटिस-बी का टीका जन्म के तुरंत बाद देने की बजाय 12 साल की उम्र में लगाने की बात कही।

इस दवा पर साइंस क्या कहता है?

CNN की एक खबर के मुताबिक वैज्ञानिक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ ट्रंप के इस बयान से सहमत नहीं दिखते। स्वीडन में 2024 में हुए एक बड़े अध्ययन (2 मिलियन बच्चों पर) ने साफ किया कि एसिटामिनोफेन और ऑटिज्म के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। वहीं दूसरी ओर, कुछ छोटे अध्ययनों और समीक्षाओं में इसके इस्तेमाल और न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर के बीच संबंध जरूर दिखा है, लेकिन शोधकर्ता खुद मानते हैं कि यह सिर्फ एसोसिएशन है, कारण नहीं। अमेरिकन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रियशन एंड गायनाकोलॉजिस्ट्स ने तो ट्रंप के बयान को गैर जिम्मेदाराना कहा और चेताया कि इससे गर्भवती महिलाओं में अनावश्यक डर फैल सकता है।

कंपनी और डॉक्टरों की दलील

टायलेनॉल बनाने वाली कंपनी का कहना है कि यह दवा अब भी गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित विकल्प है। उनका तर्क है कि अगर बुखार आ दर्द का इलाज नहीं किया जाए तो मां और बच्चे दोनों के लिए खतरा ज्यादा बड़ा हो सकता है। डॉक्टर ये भी सलाह देते हैं कि गर्भावस्था में किसी भी दवा का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह और न्यूनतम खुराक के साथ ही किया जाए।

गाजा को लेकर मुस्लिम देशों के सामने कौन सा प्लान रखने जा रहे ट्रंप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज संयुक्त राष्ट्र की महासभा के 80वें सत्र को संबोधित करने वाले है। इस सत्र के गाजा युद्ध पर केंद्रित होने की उम्मीद है। ट्रंप इस दौरान अरब और मुस्लिम नेताओं के सामने एक प्रस्ताव रखेंगे, जिसे अमेरिकी अधिकारी गाजा के लिए अब तक का उनका सबसे ठोस प्रस्ताव बता रहे हैं। इस प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, इजराइल सेनाओं की गाजा से वापसी और हमास की किसी भी भूमिका के बिना इस गाजा में शासन स्थापित करने की रूपरेखा दी जाएगी। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक इस बैठक में सऊदी अरब, UAE, कतर, मिस्र, जॉर्डन, तुर्की, इंडोनेशिया और पाकिस्तान के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। इस बैठक में इजराइली बंदियों की रिहाई, इजराइली बलों की वापसी और ट्रांजिशन के दौरान गवर्न सिस्टम पर चर्चा होने की उम्मीद है। ट्रंप प्रशासन अरब और मुस्लिम देशों से एक तथाकथित शांति सेना के तौर पर गाजा में सैनिक भेजने का आग्रह कर रहा है, जिससे इजराइल की वापसी संभव हो सकेगी। अमेरिका इन देशों से पुनर्निर्माण और गाजा के संक्रमणकालीन प्रशासन को समर्थन देने के लिए वित्तीय सहायता भी मांग रहा है। सोमवार को इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो ने ऐलान किया था कि उनका देश ऐसे मिशन के तहत सैनिक भेजने के लिए तैयार है। UN से लेकर व्हाइट हाउस तक शांति कोशिशों के बीच इजराइल के हमले बादस्तूर जारी हैं। इजराइल के इन्हीं हमलों की वजह से युद्ध समाप्त करने और कैदियों की अदला-बदली सुनिश्चित करने के लिए बातचीत अभी भी रुकी हुई है। गाजा में इजराइल ने बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू कर दिया है और शहर के निवासियों को जबरन विस्थापित करने की उम्मीद में गाजा शहर में तीन बख्तरबंद और पैदल सेना डिवीजन तैनात कर दिए हैं। इस बीच न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र हेड क्वाटर में दो राष्ट्र समाधान पर एक सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें फ्रांस और कई यूरोपीय देशों ने फिलिस्तीन राज्य को मान्यता दी।

रूस ने भारत को दिया SU-57 लड़ाकू विमान का ऑफर

मॉस्को, एजेंसी। भारत की वायु शक्ति को और मजबूत करने के लिए रूस ने एक अहम प्रस्ताव रखा है। रूसी समाचार एजेंसी TASS के मुताबिक, रूस ने भारत को अपने पांचवीं पीढ़ी के Su-57 स्टील्थ फाइटर जेट की सप्लाई और लोकल प्रोडक्शन का ऑफर दिया है। सूत्रों के अनुसार, रूस 2026 तक भारत को सभी पांच S-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी पूरी कर देगा। इसी बीच दोनों देशों के बीच अतिरिक्त S-400 सिस्टम पर बातचीत भी जारी है।

रूस की संघीय सैन्य-तकनीकी सहयोग सेवा (FSMTC) के प्रमुख दिमित्री शुगायेव ने कहा है कि भारत पहले से ही S-400 सिस्टम का इस्तेमाल कर रहा है और इस क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने की संभावना है। इसका मतलब है कि नई डील पर सहमति बन सकती है।

Su-57 रूस का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसे भविष्य की हवाई लड़ाई के लिए तैयार किया गया है। यह दुश्मन के रडार पर पकड़ में नहीं आता। यह सुपरसोनिक स्पीड से उड़ सकता है और लंबी दूरी तक वार करने में सक्षम है। इसमें अत्याधुनिक एवियोनिक्स लगे हैं और मल्टी-डायमेंशनल कॉम्बैट क्षमता प्रदान करते हैं। इससे भारतीय वायुसेना को एक नई ताकत मिलेगी और चीन जैसे देशों की बढ़ती हवाई क्षमता का जवाब देना आसान होगा। अगर भारत Su-57 प्रोजेक्ट में शामिल होता है तो उसे न सिर्फ अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर जेट मिलेंगे, बल्कि लोकल प्रोडक्शन से मेक इन इंडिया को भी नई गति मिलेगी। अगर अतिरिक्त S-400 डील पूरी हो जाती है तो भारत का एयर डिफेंस सिस्टम और भी मजबूत हो जाएगा। रूस का यह ऑफर भारत की रक्षा तैयारियों को अगले स्तर पर ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।

मिडिल ईस्ट में फिलिस्तीन अलग देश बनेगा या नहीं? यूएन में तय करेंगे ये 15 देश

फिलिस्तीन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में फिलिस्तीन को नए देश के रूप मे मान्यता देने का मुद्दा गर्म है। फ्रांस ने यूएन में मान्यता देने की घोषणा की है। ब्रिटेन, कनाडा और पुर्तगाल भी अलग मुल्क के रूप में फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है, लेकिन सवाल उठ रहा है कि फिलिस्तीन अलग मुल्क बनेगा कैसे? क्योंकि मान्यता तो उसे 130 से ज्यादा देशों ने लंबे वक्त से दे रखा है। फिर भी फिलिस्तीन अलग देश नहीं बन पा रहा है।

कोई भी शांति प्रिय देश, जो यूएन चार्टर को मानता हो, वो अलग देश का दावा कर सकता है। बशर्ते उसके पास अपने लोग हों और अपनी भौगोलिक सीमा, लेकिन किसी देश के होने का दावा करने में और यूएन की सदस्यता लेने में फर्क है। यूएन की सदस्यता मिलने का अर्थ होता है अंतरराष्ट्रीय वैधता मिलना।

यूएन में जो देश रजिस्टर्ड हैं, वो सभी उस नए देश को अलग मुल्क मानने लगता है। इससे नए देश को अपने कूटनीतिक संबंध विकसित करने में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता है। यूएन की सदस्यता मिलते ही संबंधित देश को यूएन चार्टर के मुताबिक सुरक्षा मिलती है, जो किसी देश के लिए काफी अहम है।

फिलिस्तीन को UN की सदस्यता कैसे मिलेगी?

फिलिस्तीन के पास फिलहाल पूर्ण देश के रूप में यूएन की सदस्यता नहीं है। इसे लेने के लिए उसे एक यूएन चार्टर के अनुच्छेद-4 का पालन करना होगा। इसके मुताबिक सबसे पहले एक प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रखा जाएगा। UNSC में 5 स्थाई और 10 अस्थाई देश है। स्थाई देश में ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन और अमेरिका का नाम शामिल है।

अस्थाई देशों की लिस्ट में पनामा, गुएना, अल्जीरिया, डेनमार्क, ग्रीस, पाकिस्तान, कोरिया गणराज्य, सिएरा लियोन, स्लोवेनिया और सोमालिया का नाम शामिल हैं। अब यहां से प्रस्ताव पास कराने के 2 नियम हैं-

1- 9 देशों का कम से कम समर्थन प्राप्त हो।

2- कोई भी स्थाई सदस्य देश वीटो न करे।

फिलिस्तीन यहीं पर मात खा सकता है। अमेरिका स्थाई सदस्य देश है, जो फिलिस्तीन के मान्यता का विरोध करता है। यहां पर पिछली बार उसने वीटो कर दिया था, जिसके कारण फिलिस्तीन का मामला लटक गया था।

क्या फिलिस्तीन मुल्क नहीं बन पाएगा?

जिस तरीके से यूरोप और मध्य पूर्व के अधिकांश देशों ने फिलिस्तीन के लिए पैरवी कर रहा है, उससे अब उसके अलग मुल्क बनने का रास्ता काफी हद तक साफ हो गया है। फ्रांस और बेल्जियम जैसे देशों ने जल्द ही फिलिस्तीन में दूतावास खोलने की बात कही है। कहा जा रहा है कि कोसोवो की तरह फिलिस्तीन एक देश बन सकता है।

कोसोवो को 100 से ज्यादा देशों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन चीन और रूस की वजह से उसे अलग देश के रूप में यूएन से मान्यता नहीं मिल पाया है।

मेरी फोटो के साथ पोस्टर लगाने की गुस्ताखी न करें... दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के मौके पर दिल्ली सरकार सेवा पखवाड़ा चला रही है। 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस 15 दिनों के सेवा पखवाड़े में 75 जन सुविधाओं को शुरू किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत मंगलवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनकी पूरी कैबिनेट ने स्वच्छता अभियान के तहत सफाई अभियान चलाया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता खुद शालीमार बाग में रिंग रोड पहुंची और झाड़ू लगाई, कूड़ा बीना। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पोस्टर चिपकाकर शहर को गन्दा करने वाले लोगों को सख्त हिदायत और चेतावनी दी।

सफाई अभियान के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता अभियान एक लगातार करने वाला काम है। यह एक दिन का या कुछ घंटे का ड्राइव नहीं है, यह हम सब भारतीयों को समझना होगा कि यह शहर हमारा है। मैं देख रही हूं, यहां-वहां तंबाकू के पाउच, पानी की बोतल, और दौने पत्तल पड़े हैं। भंडारा करके हम वहीं छोड़ देते हैं। पोस्टर चिपके हुए हैं। यह सब इस शहर को गंदा कर रहे हैं और एक दिन 1 घंटे की स्वच्छता से कुछ नहीं होना है। यह लगातार करने वाला काम हैं।

हजारों लोगों ने किया पार्टिसिपेशन

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज हमने रिंग रोड की ड्राइव ली है और पूरी रोड पर हर जगह दिल्ली के लोग स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। हजारों लोगों ने इसमें आज पार्टिसिपेशन किया है और मैं सोचती हूं कि यह सारा का सारा ड्राइव और यह काम लगातार करने वाला है। उन्होंने कहा कि ये काम संस्थाएं, RWA, जनप्रतिनिधि अधिकारी के साथ-साथ हर व्यक्ति के लिए करने वाला काम है। अगर ऐसा होता है, तभी हमारा शहर साफ-सुथरा रह पाएगा।

पोस्टर लगाकर शहर को न करें गंदा: सीएम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मेरा सभी दिल्ली वासियों से निवेदन है कि कृपया करके वॉल राइटिंग और पोस्टर लगाकर शहर को गंदा ना करें। इसकी वजह से हमारा शहर लगातार गंदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि विशेषकर कर नेताओं से मेरा अनुरोध है कि कृपया करके कम से कम मेरी फोटो के साथ कोई पोस्टर लगाने की गुस्ताखी न करें। मैं हाथ जोड़कर आप लोगों से निवेदन कर रही हूं। किसी भी डिफेसमेंट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को भी समझना पड़ेगा और जनता को भी सहयोग करना पड़ेगा। दिल्ली की ओर से यह स्वच्छता अभियान निरंतर चलेगा।

रामलीला और दुर्गा पूजा में स्पीकर की समय सीमा बड़ी

दिल्ली सरकार ने रामलीला और दुर्गा पूजा पंडाल में स्पीकर इस्तेमाल करने की समय सीमा 10 से 12 बजे तक करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मैं हमेशा यही देखती थी कि हमारे हिंदू उत्सवों को दिक्कत होती थी, क्योंकि रामलीला कभी 10 बजे खत्म नहीं हो सकती, और दुर्गा पूजा कभी 10 बजे तक खत्म नहीं हो सकती। जब गुजरात में डांडिया रात भर चल सकता है, और जब बाकी राज्यों में इवेंट रात भर हो सकते हैं, तो दिल्ली वालों का क्या कसूर है? इसीलिए इस बार हमने रात 12 बजे तक की परमिशन सभी रामलीला, दुर्गा पूजा, और सांस्कृतिक धार्मिक उत्सव को दी है। ईश्वर की कृपा हम सब पर बनी रहे।

15 दिन 75 सेवाओं का संकल्प

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह लगातार सेवा पखवाड़े के अंतर्गत चल रहे विकास कार्य हैं। रोजाना हम दिल्ली की जनता को कुछ ना कुछ समर्पित कर रहे हैं। 15 दिन 75 सेवाएं, ऐसा हमारा संकल्प था। इसी श्रृंखला में आज इंटर इंटरस्टेट बस जो कि एक समय में बिल्कुल बंद हो गई थी, आज से हम वह दोबारा शुरू कर रहे हैं।

पाकिस्तान अमेरिका पर हमला नहीं करता, भारत को बनाता है निशाना, शशि थरूर ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियों पर कांग्रेस सांसद और पूर्व विदेश राज्य मंत्री शशि थरूर ने चिंता जाहिर की है, उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि भारत इस स्थिति से हिल गया है, क्योंकि पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका का सहयोगी रहा है और यह रिश्ते भारत से अलग होकर चलते रहे हैं। शशि थरूर के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा पाले गए आतंकी समूह अमेरिका पर हमला नहीं करते, बल्कि वो भारत को निशाना बनाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि आतंकी ग्रुप अमेरिका को निशाना नहीं बना रहे हैं और जो लोग अमेरिका पर हमले कर रहे हैं, जैसे कि आईएसआईएस और दाएश, ये दरअसल पाकिस्तानी प्रतिष्ठान और उसकी सेना पर भी हमले करती रही हैं। अमेरिका और पाकिस्तान के बीच रिश्ते भारत से अलग और स्वतंत्र हैं, लेकिन मौजूदा हालातों को देखते हुए, भारत की नजर से यह सब बहुत चिंताजनक लगता है।

पाकिस्तान-अमेरिका की पुरानी दोस्ती- शशि थरूर

शशि थरूर ने याद दिलाया कि पाकिस्तान और अमेरिका का रिश्ता दशकों पुराना है। अमेरिका की मदद से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई खड़ी हुई थी और कई पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों ने अमेरिका के अंदर ट्रेनिंग ली हुई है, पाकिस्तानी खुफिया एजेंट अमेरिकियों के साथ काम कर चुके हैं, उन्होंने कहा कि यह गहरे और लंबे रिश्ते हैं, जिन्हें भारत अक्सर भूल जाता है। भारत और अमेरिका के बीच बीते 30 सालों में गर्मजोशी बढ़ी है, लेकिन पुराने इतिहास की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर और भारत की चिंता

शशि थरूर ने 11 सितंबर 2001 में अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले को लेकर कहा कि उस समय अमेरिका पाकिस्तान पर हमलावर था, जिसके बाद 2 मई 2011 को अमेरिका ने ओसामा बेन लादेन को पाकिस्तान के अबोटाबाद में मार गिराया था। शशि थरूर हाल ही में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका गए थे। यह यात्रा जम्मू-कश्मीर की पहलगाम में हुई आतंकी घटना और ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुई।

एक मशहूर किरदार की वजह से सना सईद को नई पहचान बनाने करनी पड़ी मशक्कत

1998 में, जब करण जौहर की फिल्म कुछ कुछ होता है सिनेमाघरों में आई, तो इसने न सिर्फ शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी को नई बुलंदिया दी, बल्कि एक नन्हीं सी बच्ची को भी घर-घर में मशहूर कर दिया। यह बच्ची थी सना सईद, जिसने छोटी अंजलि का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में अपनी मासूम मुस्कान और प्यारे डायलाग के साथ जगह बना ली।

पापा, आपकी दोस्त अंजलि कहां है? डायलाग आज भी लोगों की जुबान पर है। समय के साथ, सना ने एक ग्लैमरस और आत्मविश्वास से लबरेज अभिनेत्री के रूप में अपनी नई पहचान बनाई। यह सफर आसान नहीं था, लेकिन सना की कहानी प्रेरणा से भरी है। एक ऐसी कहानी, जहां एक कलाकार ने अपने अतीत को गले लगाते हुए अपने भविष्य को नया रंग दिया।

सना सईद ने महज 8 साल की उम्र में कुछ कुछ होता है में अंजलि का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनकी मासूमियत ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। कहानी में अंजलि अपनी मां की डायरी के जरिए अपने पिता (शाहरुख खान) को उनकी खोई हुई दोस्त से मिलाने की कोशिश करती है। सना का यह किरदार कहानी का एक अहम हिस्सा था, जिसने न सिर्फ फिल्म को भावनात्मक गहराई दी, बल्कि सना को लाखों दिलों में बसने का मौका भी दिया।

बचपन में मिली इस कामयाबी ने सना को रातों रात स्टार बना दिया, लेकिन यह स्टारडम एक दोधारी तलवार साबित हुआ। सना की मासूम छवि इतनी गहरी थी कि लोग उन्हें उसी रूप में देखना चाहते थे। जैसे-जैसे वह बड़ी हुईं, यह छवि उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई।

सना ने बतौर बाल कलाकार हर दिल जो प्यार करेगा और बादल जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनकी असली वापसी हुई 2012 में, जब करण जौहर की ही फिल्म स्टूडेंट आफ द ईयर में उन्होंने एक ग्लैमरस और बोल्ड किरदार निभाया। इस फिल्म में सना ने अपनी नई छवि के साथ दर्शकों को चौंकाया। उनकी स्टाइल, आत्मविश्वास और स्क्रीन प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। लेकिन इसके बावजूद, दर्शकों के दिमाग में छोटी अंजलि की छवि अभी भी जस की तस थी।

सना ने कई इंटरव्यूज में खुलकर बताया कि अंजलि की पहचान उनके लिए शुरुआत में बोझ बन गई थी। लोग उन्हें सेट्स पर, सड़कों पर, हर जगह अंजलि कहकर बुलाते थे। वह कहती हैं, एक समय था जब मुझे यह सुनकर शर्मिंदगी महसूस होती थी। मुझे लगता था कि लोग मेरे नए काम को देख ही नहीं रहे। यह एक ऐसा दौर था जब सना को अपनी पुरानी छवि से बाहर निकलने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

22 सितंबर 1988 को जन्मी सना सईद ने सिर्फ फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में भी कदम रखा और बाबुल का आंगन छूटे ना और लो हो गई पूजा इस घर की जैसे धारावाहिकों में काम किया। इसके अलावा, रियलिटी शोज ने उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया। झलक दिखला जा, नच बलिए 7 और खतरों के खिलाड़ी 7 में सना ने न सिर्फ अपनी डांसिंग और स्टंट स्किल्स दिखाईं, बल्कि अपनी मजबूत और बिंदास पर्सनैलिटी से दर्शकों को प्रभावित किया। इन शो ने सना को मासूम बच्ची की छवि से बाहर निकालने में मदद की और उन्हें एक आत्मविश्वास से भरी कलाकार के रूप में पेश किया।

समय के साथ सना का नजरिया बदला। उन्होंने महसूस किया कि छोटी अंजलि का किरदार उनके लिए कोई अभिशाप नहीं, बल्कि एक आशीर्वाद था। वह कहती हैं, लोगों का प्यार और उनकी यादें मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। अंजलि ने मुझे वह पहचान दी, जिसके बिना मैं शायद यहां तक नहीं पहुंच पाती। सना ने अपने अतीत को स्वीकार किया और इसे अपनी ताकत बनाते हुए अपने नए सफर को अपनाया। आज सना सईद न सिर्फ एक अभिनेत्री और माडल हैं, बल्कि अपनी मेहनत और पैशन से लगातार नई ऊंचाइयां छू रही हैं।

शिल्पा शेट्टी ने मल्टीकलर लहंगे में बिखेरे रंग, फैंस को याद आया गरबा

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस, आकर्षक व्यक्तित्व और अनुशासित जीवनशैली के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर त्योहारों के आगमन की खुशी जताई है।

शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कई तरह के पोज देती नजर आ रही हैं। कैमरे के सामने उनका हर अंदाज फैंस का दिल जीत रहा है। कभी वह हल्की-सी स्माइल के साथ पोज दे रही हैं, तो कभी गोल घूमकर तरह-तरह के पोज दे रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, इस त्योहार के मौसम के लिए एक रंग काफी नहीं है। लुक की बात करें तो शिल्पा ने मल्टीकलर का घाघरा-चोली पहन रखा है। यह घाघरा पीला, हरा, लाल और नीला रंग से सजा हुआ है, जिसमें सुनहरी जरी का वर्क हुआ है। चोली पर बारीक कढ़ाई ने उनके स्लिम फिगर को और निखारा है, जो उनकी फिटनेस रूटीन का प्रमाण देता है। बालों को उन्होंने हाफ चोटी में बांधा है, जिस पर रंग-बिरंगे रिबन लहरा रहे हैं। चेहरे पर उन्होंने मिनिमल मेकअप किया है।

वहीं, अभिनेत्री ने इस वीडियो के साथ गुजराती गाना रमति आवे को ऐड किया है।

उनका यह पोस्ट देख फैंस को गरबा की याद दिला रहा है, जिसमें हर ट्विस्ट और टर्न होने से रंग बिखरे लग रहे हैं।

शिल्पा शेट्टी के पोस्ट करते ही वीडियो में लाखों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। एक यूजर ने लिखा, कभी नवरात्रि खेलने आओ वडोदरा, तो दूसरे यूजर ने लिखा, गरबा क्वीन, और एक और यूजर ने लिखा, मैम, आप बहुत सुंदर लग रहे हो।

गाने की बात करें तो रमति आवे एक गुजराती गाना है, जिसका नाम डाकला-2 है। यह एक तरह का गरबा सॉन्ग है और नवरात्रि के आगमन के पहले से ही ये सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड कर रहा है।

शिल्पा शेट्टी को आखिरी बार फिल्म सुखी में देखा गया था। वो बहुत जल्द कन्नड़ एक्शन ड्रामा फिल्म केडीः द डेविल में नजर आएंगी। इसमें संजय दत्त, ध्रुव सरजा और नोरा फतेही भी अहम किरदार में हैं।

थिएटर के बाद ओटीटी पर छाई महावतार नरसिम्हा, 24 घंटे से अधिक समय तक नेटफ्लिक्स चार्ट में रही टाप

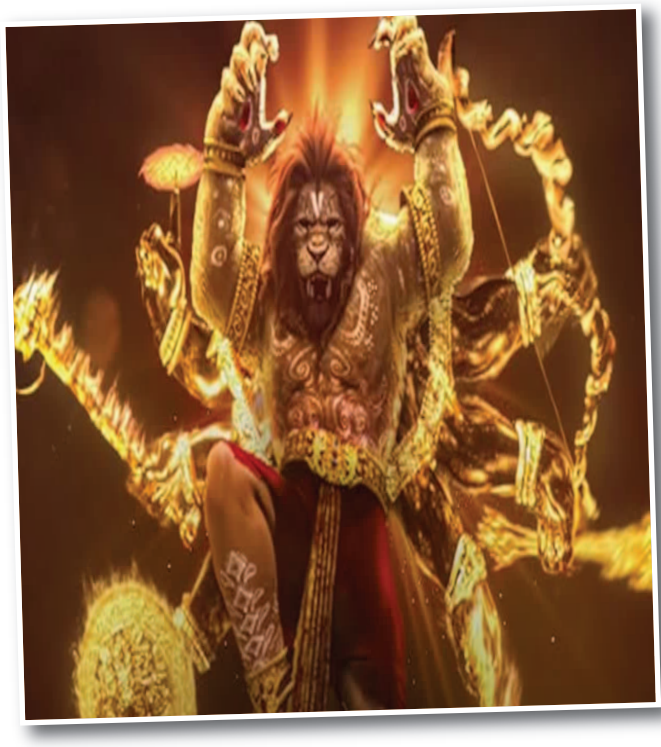

होम्बले फिल्म्स और क्लीम प्रोडक्शंस की महावतार नरसिम्हा भारतीय सिनेमा के लिए गर्व की बात बनी हुई है। महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा यह फिल्म रिलीज के बाद से ही रिकार्ड तोड़ रही है और भारतीय ऐनिमेटेड फिल्मों के लिए नए लेवल बना रही है। सिनेमाघरों में इस दिव्य कहानी को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी और फिल्म ने जबरदस्त परफार्मेंस किया। अब यही फिल्म ओटीटी पर भी धमाल मचा रही है और 24 घंटे से ज़्यादा समय से लगातार नंबर 1 पर चल रही है। महावतार नरसिम्हा अपनी ओटीटी रिलीज़ के साथ अब भी दर्शकों का दिल जीत रही है। फिल्म ने एक और बड़ा मुकाम हासिल किया है और नेटफ्लिक्स पर 24 घंटे से ज़्यादा समय तक लगातार नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि फिल्म को दर्शकों का कितना प्यार मिल रहा है। ओटीटी पर यह दर्शकों की पहली पसंद बनकर अभी भी अपनी सफल यात्रा जारी रख रही है। होम्बले फिल्म्स और क्लीम प्रोडक्शन्स ने मिलकर इस ग्रैंड एनिमेटेड फ्रैंचाइज़ी की आधिकारिक लाइनअप जारी कर दी है, जो अगले एक दशक तक भगवान विष्णु के दस दिव्य अवतारों की गाथा बताएगी। इस यूनिवर्स की शुरुआत महावतार नरसिम्हा (2025) से हुई, इसके बाद आएंगे महावतार परशुराम (2027), महावतार रघुनंदन (2029), महावतार द्वारकाधीश (2031), महावतार गोकुलानंद (2033), महावतार कल्कि पार्ट 1 (2035) और महावतार कल्कि पार्ट 2 (2037)। ये यूनिवर्स भारतीय माइथोलाजी को नई तकनीक और भव्यता के साथ दर्शकों के सामने पेश करेगा।

महावतार नरसिम्हा का डायरेक्शन अश्विन कुमार ने किया है, और इसे शिल्पा धवन, कुशल देसाई, और चैतन्य देसाई ने क्लीम प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस किया है। होम्बले फिल्म्स के साथ मिलकर, जो अपनी आकर्षक कंटेंट के लिए जानी जाती है, यह पार्टनरशिप अलग अलग एंटरटेनमेंट प्लेटफार्म्स के जरिए एक सिनेमाई मास्टरपीस पेश करने का लक्ष्य रखती है। इस फिल्म को शानदार विजुअल्स, सांस्कृतिक विविधता, बेहतरीन फिल्म तकनीक, और मजबूत कहानी के साथ, 3डी और पांच भारतीय भाषाओं में 25 जुलाई 2025 को रिलीज हुई थी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com